तापमान
अधिकतम 23 .5 डिग्री
न्यूनतम 6 .0 डिग्री

हरिभूमि
हिसार भूमि
रोहतक, सोमवार 2 फरवरी 2026

13 जीतो हिसार चैप्टर का भव्य शुभारंभ, नई प्रबंध समिति...

14 सुनैना नागपाल अध्यक्ष व अंजलि भाटिया बनी शाखा सचिव

खबर संक्षेप

श्रीमद्भागवत और कृष्ण कथा का आयोजन कल से

आदमपुर। बोगा मंडी स्थित श्रीकृष्ण प्रणामी सत्संग भवन में तीन फरवरी से तीन दिवसीय श्री मद्भागवत एवं कृष्ण कथा का आयोजन किया जाएगा। प्रवक्ता गोपाल गोयल ने बताया कि मंगलवार को दोपहर दो बजे आरंभ होने वाली तीन दिवसीय श्री मद्भागवत एवं कृष्ण कथा में प्रणामी मिशन के प्रमुख संत परमहंस डा. स्वामी सदानंद महाराज श्रद्धालुओं को धर्मलाभ देंगे। उन्होंने बताया कि इस दौरान फूलों की होली व पूजा-झीलना मुख्य आकर्षण का केंद्र होगी।

'अंधेर नगरी चौपट राजा' नाटक का मंचन आज

हिसार। 12 रंग आंगन थिएटर फेस्टिवल के अंतर्गत प्रसिद्ध हिंदी नाटक 'अंधेर नगरी चौपट राजा' का मंचन 2 फरवरी को सायं 5 बजे आचार्य तुलसी भवन, जेएसएल, हिसार में किया जाएगा। इस नाटक की प्रस्तुति नैय्या नाट्यप्रस्थ रंगमंच, हिसार द्वारा की जा रही है। आधुनिक हिंदी नाटक के जनक भारतेन्दु हरिश्चंद्र द्वारा लिखित यह नाटक भ्रष्ट शासन व्यवस्था, अन्याय और सामाजिक विडंबनाओं पर करारा व्यंग्य करता है, जो आज के समय में भी पूरी तरह प्रासंगिक है। नाटक का निर्देशन वरिष्ठ रंगकर्मी राज बहादुर आर्य द्वारा किया गया है, जिनकी निर्देशन शैली सशक्त मंच भाषा और सामाजिक सरोकारों से जुड़ी प्रस्तुतियों के लिए जानी जाती है।

ट्रैक्टर-ट्रॉली चोरी मामले में तीन गिरफ्तार

हिसार। थाना अर्बन एस्टेट पुलिस ने ट्रैक्टर-ट्रॉली चोरी के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में हिसार की हनुमान कॉलोनी निवासी विनीत, फतेहाबाद के ढांड निवासी संजय व राजस्थान के झुंझनु निवासी कुलदीप उर्फ लाला शामिल है। जांच अधिकारी मुख्य सिपाही रमेश कुमार ने बताया कि इस संबंध में सातरोड खुर्द निवासी कुलबीर सिंह ने गत 23 जनवरी की रात्रि को उसका ट्रैक्टर व ट्रॉली चोरी के बारे में शिकायत दर्ज करवाई थी। उसका कहना था कि उसका स्वराज ट्रैक्टर दुकान के आगे खड़ा किया था, रात्रि करीब 1:40 बजे चोरी कर लिया गया। पुलिस ने केस दर्ज करके इन तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जांच अधिकारी ने बताया कि आरोपियों से पूछताछ जारी है। आरोपी संजय और कुलदीप को चोरी शुदा ट्रैक्टर ट्राली की बरामदगी के लिए दो दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

जिला पार्षद के इकलौते पुत्र की दुर्घटना में मौत

नारनौंद। मदन हेड़ी से जिला पार्षद निशा के इकलौते पुत्र की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। गांव में ही उनका अंतिम संस्कार किया गया। जिला पार्षद प्रतिनिधि राजेंद्र सिंह चहल ने बताया कि जिला पार्षद निशा के पुत्र 28 वर्षीय पुत्र अमित की 31 जनवरी को सड़क दुर्घटना में मौत हो गई थी।

कैप्टन अभिमन्यु के प्रयासों से बदलनी शुरू हुई तस्वीर, अब मिली वैश्विक पहचान

राखीगढ़ी: मिट्टी से निकलता इतिहास और विकास की ओर बढ़ता वर्तमान

- परिवर्तन के पीछे पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु की भूमिका को अहम मान रहे ग्रामीण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौंद

सुबह की धूप जैसे ही राखीगढ़ी की टीलेनुमा जमीन पर पड़ती है, मिट्टी के कणों में छिपा हजारों साल पुराना इतिहास चमक उठता है। यहीं से कभी सिंधु घाटी सभ्यता की एक समृद्ध नगरी सांस लेती थी और आज यही स्थान हरियाणा की पहचान को वैश्विक मंच तक ले जाने की तैयारी में है। कुछ वर्ष पहले तक केवल पुरातत्वविदों और शोधार्थियों तक सीमित रहने वाले गांव राखी गढ़ी के दिन फिरने शुरू हो गए हैं।

किसी समय यहां पर कच्चे रास्ते, सीमित सुविधाएं और उपेक्षा इस ऐतिहासिक धरोहर की पहचान बन चुकी थी। यहां तक कि पहले यहां केवल खुदाई करने वाले लोग आते थे, गांव की हालत वही की वही थी। पूरी दुनिया में हड़प्पा कालीन सभ्यता को लेकर राखी गढ़ी विश्व के मानचित्र पर अपनी पहचान बना चुका है। अब केंद्र सरकार भी इसको बड़ा पर्यटन केंद्र बनाने के लिए कमर कस चुकी है। रविवार को केंद्रीय बजट में राखी गढ़ी को देश की 15 आईकॉनिक पुरातात्विक स्थलों में शामिल करने की घोषणा की गई है

नारनौंद। राखी गढ़ी में अब टीलों की खुदाई का काम चल रहा है।

साफ दिखाई दे रहा बदलाव

गांव में अब बदलाव साफ दिखाई देता है। गांव तक पक्की सड़क, बेहतर बिजली व्यवस्था और पर्यटकों के लिए बुनियादी सुविधाएं अब मौजूद हैं। निर्माणाधीन म्यूज़ियम और इंटरप्रिटेशन सेंटर राखीगढ़ी को केवल देखने का नहीं, बल्कि समझने का केंद्र बनाने की दिशा में कदम हैं। ग्रामीणों के अनुसार अब बाहर से लोग आते हैं, सवाल पूछते हैं, गांव को जानना चाहते हैं। हमें लगता है कि यहां रोजगार के मौके भी बनेंगे।

गांव की उम्मीदें, मिट्टी से जुड़ा भविष्य

राखीगढ़ी के बुजुर्ग बताते हैं कि पहले यह गांव पहचान के लिए संघर्ष करता था, लेकिन अब इसे 'सभ्यता का पालना' कहा जाने लगा है। महिलाओं को हस्तशिल्प और लोक उत्पादों के जरिए पर्यटन से जोड़ने की योजनाएं भी चर्चा में हैं। राखीगढ़ी आज एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहां अतीत की परतें भविष्य की संभावनाओं से जुड़ रही हैं।

करोड़ों रुपये से बन रहा म्यूजियम : डॉ. अरविंद

कैप्टन अभिमन्यु ने राखीगढ़ी को यूनेस्को विश्व धरोहर सूची में शामिल कराने की दिशा में दस्तावेज़ी और प्रशासनिक प्रक्रिया को आगे बढ़ाने में

सक्रिय भूमिका निभाई। इसके साथ ही अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों और शोध संस्थानों को यहां शोध के लिए आमंत्रित किया गया। पुरातत्व से जुड़े विशेषज्ञ मानते हैं कि राखीगढ़ी में हुए शोध सिंधु घाटी सभ्यता की उत्पत्ति और जीवनशैली को नए सिरे से समझने में मदद कर रहे हैं। राखीगढ़ी में आधुनिक तरीके से करोड़ों रुपए की लागत से एक म्यूजियम तैयार किया जा रहा है। प्रदेश के पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा के अनुसार राखीगढ़ी में विभिन्न परियोजनाओं के लिए 203 करोड़ रुपए से अनेक कार्य किए जा रहे हैं, जिनमें 78 करोड़ रुपए खर्च किए जा चुके हैं।

मोदी सरकार ने दिया वैश्विक सम्मान : धर्मवीर

भारतीय जनता पार्टी, हांसी के जिला महामंत्री एडवोकेट धर्मवीर रतेरिया ने केंद्रीय बजट 2026–27 में हांसी जिले में स्थित विश्वप्रसिद्ध हड़प्पा–

कालीन स्थल राखीगढ़ी को देश के 15 'आइकॉनिक पुरातात्विक स्थलों' की सूची में शामिल करने तथा इसके समग्र विकास के लिए 500 करोड़ का विशेष प्रावधान करने के लिए केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हार्दिक आभार व्यक्त किया है। एडवोकेट धर्मवीर रतेरिया ने कहा कि यह निर्णय न केवल भारत की प्राचीन सिंधु–सरस्वती सभ्यता को वैश्विक पहचान दिलाने वाला है, बल्कि हरियाणा, विशेषकर हांसी और हिसार क्षेत्र को अंतरराष्ट्रीय पर्यटन और शोध के मानचित्र पर स्थापित करने की दिशा में एक मील का पत्थर सिद्ध होगा।

वर्ष 2014 में जब नारनौंद क्षेत्र के विधायक कैप्टन अभिमन्यु बने तो उन्होंने क्षेत्र के लिए कुछ ऐसा करने की सोची कि जिससे क्षेत्र की वैश्विक पहचान बन सके। उनके हस्तक्षेप के बाद गांव की तस्वीर बदलनी शुरू हुई। उत्खनन कार्यों को दोबारा गति मिली, बजट बढ़ा और केंद्र व राज्य एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल स्थापित हुआ। इसके अलावा भी राखी गढ़ी पर विशेष फोकस करते हुए विकास कार्य करवाए गए। क्षेत्रवासी खुले मन से कहने लगे हैं कि इस परिवर्तन के पीछे पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु की भूमिका अहम मानी जा रही है, जिनके प्रयासों ने गांव की तकदीर व तस्वीर बदल दी। उनका जोर रहा है कि विकास केवल पत्थर और इमारतों तक सीमित न रहे, बल्कि स्थानीय समाज को आर्थिक और सांस्कृतिक रूप से सशक्त बनाए। उन्हीं के प्रयासों ने इस ऐतिहासिक स्थल को उपेक्षा से निकालकर विकास की मुख्यधारा में लाने की नींव रखी है। मिट्टी में दबी सभ्यता अब सिर्फ किताबों का विषय नहीं, बल्कि हरियाणा की पहचान और आने वाली पीढ़ियों की धरोहर बनने की ओर अग्रसर है।

अंडरपास के लिए आंदोलन के समर्थन में आया लायंस क्लब

कहा-अंडरपास से पूरे क्षेत्र का विकास होगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| उकलाना

अंडरपास की मांग को लेकर चल रहा धरना आज 17वें दिन में प्रवेश कर गया। आंदोलन को दिन-प्रतिदिन विभिन्न संगठनों व सामाजिक संस्थाओं का समर्थन मिल रहा है। लायंस क्लब के अध्यक्ष धर्मजीत कुन्नर के नेतृत्व में क्लब के सदस्यों ने धरना स्थल पर पहुंचकर अपना समर्थन व्यक्त किया। धर्मजीत ने कहा कि अंडरपास क्षेत्र की जनता की जायज मांग है और लायंस क्लब इस जनहित के संघर्ष में पूरी तरह साथ खड़ा है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि धरना कमेटी जो भी जिम्मेदारी लगाएगी, क्लब के सदस्य उसे पूरी निष्ठा से निभाएंगे। धरने को समर्थन देने पहुंचे कांग्रेस नेता मनोज राठी ने सरकार से आग्रह किया कि स्थानीय जनप्रतिनिधि व नेता जनता के वकील बनकर उनकी पैरवी करें और सरकार से अंडरपास का निर्माण करवाएं। उन्होंने कहा कि अंडरपास बनने से केवल उकलाना ही नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र का विकास होगा और आमजन को बड़ी राहत मिलेगी।

रविदास जयंती भी मनाई

इस अवसर पर संत शिरोमणि गुरु रविदास जयंती भी श्रद्धापूर्वक मनाई गई। धरना कमेटी के प्रधान कपूर सिंह ने कहा कि महान संतों के विचार समाज को एकता और भाईचारे का संदेश देते हैं। धरना स्थल पर पूर्व प्रधान बलजीत सिंह, रिंकू वर्मा, प्रमुख समाजसेवी बलवान सिंह, नरेंद्र गर्ग, नरेश अग्रवाल, हरीश गर्ग, जोगिंदर मौन, हेमचंद, बलबीर सिंह, राजेंद्र सिंह, रघुवीर सिंह, पवनप्रीत सिंह, शेर सिंह, धर्मपाल, सतबीर सिंह आदि थे।

महाबीर कॉलोनी से दो किलो 98 ग्राम गांजे के साथ आरोपी दबोचा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

स्पेशल स्टाफ की टीम ने कार्रवाई करते हुए महाबीर कॉलोनी से एक युवक को नशीले पदार्थ गांजा सहित काबू किया है। एएसआई विक्रांत ने बताया कि पुलिस टीम गश्त के दौरान सूर्य नगर पुल क्षेत्र में मौजूद थे। इसी दौरान सूचना मिली कि महाबीर कॉलोनी निवासी शुभम नशीला पदार्थ लेकर रजवाहा (नाला) के पास बैठा है और बेचने की फिराक में है। सूचना के बाद पुलिस टीम ने छापा मारकर उसे पकड़ लिया। तलाशी लेने पर उक्त शुभम के कब्जे से एक पॉलीथिन की थैली से 2 किलो 98 ग्राम गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने उसे गिरफ्तार करके उस पर केस दर्ज कर लिया।

हिसार। गांजा सहित पकड़ा गया युवक।

तीन महीने में दूसरी बार टूटे सीवरेज मैनहोल, किन्नू से लदा कैंटर पलटा

गुणवत्ता पर उठे गंभीर सवाल, उच्चस्तरीय जांच की उठाई मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| उकलाना

सिरसा-चंडीगढ़ रोड पर बन रहे ओवरब्रिज के समीप जन स्वास्थ्य विभाग द्वारा डाली गई सीवरेज लाइन के मैनहोल मात्र तीन महीने के भीतर दूसरी बार टूट गए हैं, जिससे हादसों का खतरा लगातार बढ़ रहा है। शनिवार रात लगभग दो बजे अबोहर से बनारस जा रहा किन्नू से लदा एक कैंटर इन्हीं टूटे मैनहोल के कारण अनियंत्रित होकर पलट गया। गनीमत रही कि हादसा देर रात हुआ और सड़क पर आवाजाही न होने से कोई जनहानि नहीं हुई। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि मैनहोल निर्माण में घटिया सामग्री का प्रयोग किया गया है। विजय नामक निवासी ने कहा कि निर्माण के तीसरे दिन ही मैनहोल टूट गया था, जो गुणवत्ता की पोल खोलता है। प्रतिदिन यहां से भारी वाहन गुजरते हैं, लेकिन विभागीय लापरवाही के कारण लोग दुर्घटनाओं का शिकार हो रहे हैं।स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि जब तक गुणवत्ता की निष्पक्ष जांच नहीं चाहिए।

लोगों ने जताई चिंता

उषा देवी ने चिंता जताते हुए कहा कि यदि दिन के समय बच्चे आसपास खेल रहे होते तो बड़ा हादसा हो सकता था। प्रवीण ने बताया कि ठेकेदार से शिकायत करने पर जवाब मिला कि "ऐसा ही मटेरियल लगेगा, जहां शिकायत करनी है कर लो।" टोल फ्री नंबर पर शिकायत के बावजूद कोई समाधान नहीं हुआ। **समाजसेवी करण सिंह जांगड़ा** ने कहा कि पहले डेढ़ सूत का सरिया लगाया गया था, अब चार सूत का बताया जा रहा है, फिर भी मैनहोल टूट रहे हैं। कोई अधिकारी मौके पर जांच के लिए नहीं आता, जिससे भ्रष्टाचार की आशंका गहरी हो रही है। **स्थानीय निवासी जसवंत सिंह** ने सीवरेज के टूटे मैनहोल को निर्माणाधीन ओवरब्रिज की गुणवत्ता से जोड़ते हुए कहा कि यदि पुल में भी ऐसा ही मटेरियल लगा है तो भविष्य में बड़ा हादसा हो सकता है। उन्होंने पूरे प्रोजेक्ट की उच्चस्तरीय जांच की मांग की। **लोक निर्माण विभाग के उपमंडल अभियंता रण सिंह** ने बताया कि जन स्वास्थ्य विभाग द्वारा 27 नवंबर 2025 को लिखित में सूचित किया गया था कि उनका कार्य अभी लंबित है। इसी कारण लोक निर्माण विभाग ने अपना काम फिलहाल रोक रखा है। जन स्वास्थ्य विभाग के उपमंडल अभियंता कंवरपाल ने कहा कि कंस्ट्रक्शन के दौरान गुणवत्ता जांच के लिए कंक्रीट के सैंपल लिए जाते हैं। वे संबंधित कनिष्ठ अभियंता से रिपोर्ट लेकर स्थिति स्पष्ट करूंगा। मैनहोल का बार-बार टूटना गलत है। इसका निर्माण किस एजेंसी ने करवाया, इसकी जानकारी लेकर जांच की जाएगी।

पंडित जसराज की जयंती पर पीली मंदोरी में कार्यक्रम आज

हिसार। पंडित जसराज जी की जयंती पर सोमवार, 2 फरवरी को उनके पैतृक गांव पीली मंदोरी में आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय कार्यक्रम के लिए सभी लोक कलाकारों को आमंत्रित किया गया है। यह कार्यक्रम प्रातः 11 बजे आयोजित किया जाएगा, जिस में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मुख्य अतिथि होंगे। एक प्रवक्ता ने बताया कि प्रसिद्ध भारतीय शास्त्रीय गायक पंडित जसराज जी की जयंती पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम में मुंबई से पंडित जसराज जी के परिजनों के साथ सोनू निगम और अनूप जलोटा सहित कई प्रसिद्ध संगीतकार व भजन गायक भी शामिल होंगे। इस कार्यक्रम के लिए सभी गायकों और लोक कलाकारों को भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया है, इसलिए ज्यादा से ज्यादा संख्या में गायक और लोक कलाकार इसमें शामिल होकर पंडित जसराज जी को श्रद्धांजलि अर्पित करें।

- कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मुख्य अतिथि होंगे

वकीलों के शेड हटाने के लिए नोटिस चिपकाए

उपमंडल परिसर में एसडीएम के खिलाफ वकीलों का धरना शुरू

जींद, सफीदों, नरवाना, हिसार, हांसी, बरवाला, नारनौंद में वर्क सस्पेंड

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौंद

क्षेत्र में प्रशासन और वकीलों का टकराव बढ़ता जा रहा है। रविवार को नारनौंद बार एसोसिएशन की तरफ से निर्णय लेकर एसडीएम के खिलाफ अनिश्चित कालीन धरना उपमंडल परिसर में ही शुरू कर दिया गया। वकीलों ने मांग की है कि एसडीएम का यहां से तबादला किया जाए और जब तक उनके चैंबर नहीं बनते तब तक उनको बैठने के लिए टेंपरेरी जगह दी जाए। दूसरी तरफ एसडीएम की तरफ से अवैध रूप से रखें शेडों पर नोटिस चिपकाकर 6 फरवरी तक सभी चैंबर को खाली करने के आदेश दे दिए।

रविवार को नारनौंद बार एसोसिएशन की तरफ से हिसार और हांसी के बार एसोसिएशन के सदस्यों को बुलाया गया। हांसी बार एसोसिएशन के प्रधान पवन रापड़िया और हिसार बार एसोसिएशन के प्रधान संदीप बूरा उप मंडल परिसर में पहुंचे। सबसे पहले 11 सदस्यों की कमेटी नियुक्त की गई। इसमें हांसी बार एसोसिएशन के प्रधान पवन रापड़िया, नारनौंद बार एसोसिएशन के प्रधान ज्ञान प्रकाश लोहान, सचिव सुनील पनिहार, एडवोकेट प्रदीप लोहान, गौरव लोहान, संदीप गौतम, पंकज दलाल, आनंद काजल, विजेंद्र दलाल, अमन ढांडा, जितेंद्र खरब को शामिल किया गया। सभी ने निर्णय लिया एसडीएम विकास यादव का तबादला किया जाए, उन्होंने गलत भाषा का प्रयोग करते हुए, कुछ शरारती तत्वों को यहां बुलाकर माहौल खराब करने का काम किया। सभी 408 वकीलों को बैठने के लिए अस्थाई सीट दी जाए।

नारनौंद। उप मंडल परिसर में धरने पर बैठे हुए वकील। फोटो : हरिभूमि

सभी मांगों पर कार्रवाई होने तक जारी रहेगा धरना

हांसी बार एसोसिएशन के प्रधान पवन रापड़िया व ज्ञान प्रकाश लोहान ने बताया कि धरना शुरू कर दिया गया है। सोमवार को वर्क सस्पेंड रहेगा। जब तक हमारी सभी मांगों पर कार्रवाई नहीं होती तब तक धरना जारी रहेगा। जींद बार एसोसिएशन के प्रधान विकास लोहान ने भी कहा कि वे भी सोमवार को वकीलों के समर्थन में वर्क सस्पेंड रखेंगे।

आयोजन

परमसंत सतगुरु कंवर साहेब महाराज ने सिवानी स्थित राधास्वामी आश्रम में रविदास जयंती पर सत्संग फरमाया

हमेशा मानवता की भलाई का कार्य करता है संतों का संदेश व उपदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिवानी मंडी

संतों की कोई भी बात कभी मिथ्या नहीं होती, क्योंकि संत सहज स्वभावी होते हैं और उनकी प्रत्येक क्रिया में कोई न कोई आध्यात्मिक संदेश निहित होता है। संतों का अवतरण ही इसलिए होता है कि भटके हुए जीव उनकी शरण और सत्संग पाकर प्रभु मार्ग पर अग्रसर हों। आज ही के दिन संत शिरोमणि गुरु रविदास जी देह रूप में काशी की पावन धरा पर प्रकट हुए थे।

यह सत्संग वचन परमसंत सतगुरु कंवर साहेब जी महाराज ने सिवानी स्थित राधास्वामी आश्रम में रविदास जयंती के अवसर पर फरमाए। श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए उन्होंने गुरु रविदास जी की जयंती की शुभकामनाएं दीं और कहा कि संत कभी इस जगत से जाते नहीं हैं, वे अमर होते हैं। उनके द्वारा दिया गया संदेश और उपदेश सदैव मानवता की भलाई का कार्य करता है।

हुजूर कंवर साहेब जी ने कहा कि कलियुग संतों का युग है, जिसमें भक्ति को अत्यंत सरल बना दिया गया है। इस काल में न केवल संत शिरोमणि रविदास जी प्रकट हुए, बल्कि गुरु नानक देव, कबीर साहेब, मीरा बाई, चैतन्य महाप्रभु, पलटू साहेब, गरीब दास, दादू दयाल से लेकर ताराचंद जी जैसे अनेक महान संतों ने अवतार लेकर मानव समाज को प्रभु स्मरण का मार्ग दिखाया। संत परमात्मा को याद करवाने और इंसान की अंतर शक्तियों का एहसास कराने के लिए ही देह धारण कर इस संसार में आते हैं। उन्होंने कहा कि जब गुरु रविदास जी इस धरती पर अवतरित हुए, उस समय पाखंडवाद और जाति-पाति का भेदभाव चरम पर था। ऐसे माहौल में गुरु रविदास जी ने यह सशक्त संदेश दिया कि सभी मनुष्य परमात्मा की संतान हैं।

जाति-पाति की संरचना इंसान ने बनाई है, न कि परमात्मा ने। भक्ति किसी जाति या संप्रदाय की मोहताज नहीं होती, बल्कि वह मैदान में पड़ी उस गेंद के समान है, जिसे कोई भी परिश्रम करके उठा सकता है।कंवर साहेब जी ने एक प्रसंग का उल्लेख करते हुए कहा कि गुरु और इष्ट के बिना भक्ति संभव नहीं है। जैसे बिना हथियार के योद्धा युद्ध नहीं कर सकता, वैसे ही बिना गुरु के भक्ति का मार्ग अधूरा है।

गुरु रविदास जी ने यह भी सिद्ध किया कि पूजा-पाठ और भक्ति केवल किसी एक वर्ग तक सीमित नहीं है, बल्कि यह प्रत्येक मानव का अधिकार है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे और सत्संग का लाभ लिया।

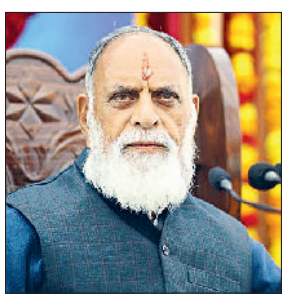

सिवानी मंडी। प्रवचन करते हुजूर कंवर साहेब व उपस्थित श्रद्धालु। फोटो : हरिभूमि

कपट की कमाई खाने वाले को नहीं मिलता भक्ति का फल

हुजूर महाराज जी ने अपने प्रवचनों में स्पष्ट शब्दों में कहा कि यदि कोई व्यक्ति लूट-खसोट और कपट की कमाई खाता है, तो वह चाहे जितनी भक्ति कर ले, उसका कोई फल नहीं मिलता। भक्ति का मार्ग सच्चाई, ईमानदारी और सत्य आचरण का मार्ग है, जहां झूठ और छल का कोई स्थान नहीं। संत रविदास जी इसी सच्ची भक्ति के प्रतीक थे। उन्होंने सदैव सरलता से जीवन जिया, मेहनत की कमाई खाई और अपने सिद्धांतों से कभी समझौता नहीं किया।हुजूर महाराज जी ने फरमाया कि जीव अपने पिछले जन्मों के संस्कार लेकर अगली योनि में आता है। करोड़ों वर्षों और असंख्य जन्मों के बाद यह दुर्लभ अवसर मिलता है कि जीव को मानव चोला प्राप्त हो। इसी मानव जीवन में सतगुरु, सतनाम और सत्संग का सौभाग्य भी मिलता है, इसलिए इस अनमोल जीवन को व्यर्थ नहीं गंवाना चाहिए। जिस पर गुरु की कृपा-दृष्टि पड़ जाती है, उसके सारे लेखे-जोखे समाप्त हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि सच्ची पूजा वही है जो गुरु की की जाए, क्योंकि गुरु से बड़ा कोई देव नहीं होता।हुजूर ने यह भी कहा कि केवल बातों से भक्ति नहीं होती, भक्ति तो करने से होती है। यदि कथनी और करनी एक हो जाए, तो मीरा की भांति विष भी अमृत बन सकता है। सतगुरु को धारण करने से मनुष्य बुराइयों से तो बचता ही है, साथ ही गुरु के वचनों पर विश्वास रखकर स्वयं और दूसरों का भी कल्याण करता है।रविदास जी की जयंती पर हुजूर कंवर साहेब जी ने कहा कि जयंती तभी सार्थक है जब हम उनके जीवन की बारीकियों को अपने जीवन में उतारें। परमात्मा ने पारस पत्थर देकर उनकी परीक्षा ली, पर उन्होंने उसे उपयोग में नहीं लाया। यह उनकी वैराग्य भावना को दर्शाता है। उन्होंने जाति-पाति को नकारते हुए कहा—"जाति पाती है नहीं कोई, हरि को भजे सो हरि का होइ।"अंत में गुरु महाराज जी ने संकल्प लेने का संदेश दिया कि हम नेक कर्म करें, गृहस्थ जीवन में रहते हुए परमात्मा का सुमिरन करें, बड़ों की सेवा करें, मधुर वाणी रखें और जाति-पाति नहीं, बल्कि सद्गुणों की पूजा करें। यही संत रविदास जी के जीवन को अपनाना है।

कैमरी रोड अंडर पास में पेयजल लाइन लीकेज के विरोध में धरना

हिसार। सर्व जन समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नंद किशोर चावला की अध्यक्षता में कैमरी रोड अंडर पास में वाटर सप्लाई पाइपलाइन लीकेज बंद करने और पुल फ्लाईओवर ब्रिज गिरने से बचाने के लिए धरना दिया गया। चावला ने धरने को संबोधित करते हुए कहा कि कैमरी रोड अंडर पास में छः महीने से लीकेज वाटर सप्लाई पाइप लाइन का अंडरपास में पानी जाने के कारण पानी भरा हुआ है क्योंकि पुल का निर्माण करते समय वाटर सप्लाई की पाइपलाइन नीचे दबा दी है जिस कारण वाटर सप्लाई की पाइपलाइन लीक होने के कारण अंडर पास में पानी भरा हुआ है और इससे पुल को भी नुकसान पहुंच रहा है है। चावला ने बताया कि पुल फ्लाई ओवर ब्रिज गिरने के कारण जान माल का भी नुक्सान कभी भी हो सकता है। रेलवे लाइन पर फ्लाईओवर कमजोर होने से कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है और जान माल का भारी नुकसान हो सकता है।

गणतन्त्र दिवस

भारत का संविधान, देश का सर्वोच्च विधान है। यह संविधान सभा द्वारा 26 नवम्बर 1949 को पारित हुआ तथा 26 जनवरी 1950 से प्रभावी हुआ। यह दिन (26 नवम्बर) भारत के संविधान दिवस के रूप में घोषित किया गया है, जबकि 26 जनवरी का दिन देश में गणतन्त्र दिवस के रूप में मनाया जाता है। भारत के संविधान का मूल आधार भारत सरकार अधिनियम (1935) को माना जाता है। भारत का संविधान विश्व के किसी भी गणतांत्रिक देश का सबसे लम्बा लिखित संविधान है।

स्वाधीन और गणतंत्र भारत में हरियाणा का महायोगदान

1857 की महाक्रांति से लेकर 1947 की स्वतंत्रता और तत्पश्चात 1950 में भारत के गणतंत्र बनने तक, हरियाणा ने अपना सर्वस्व न्योछावर किया। देश के लिए यहां का किसान हल छोड़कर तलवार उठाने में कभी नहीं हिचकिचाया और जवान कभी भी शहादत से पीछे नहीं हटा।

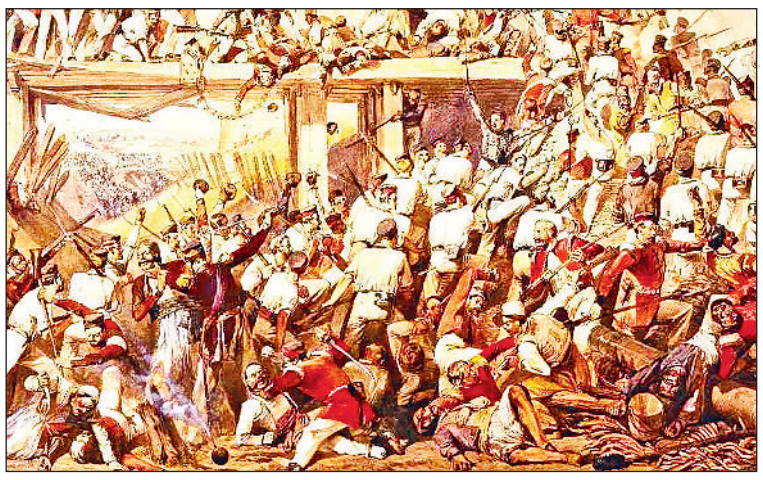

आजादी

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

भौगोलिक दृष्टि से 'दिल्ली की देहरी' या 'भारत का प्रवेश द्वार' कहे जाने वाले हरियाणा का चरित्र वैदिक काल से ही कर्म और शौर्य का रहा है। यह वही भूमि है जहां महाभारत के धर्मयुद्ध में 'कर्मण्येवाधिकारस्ते' का उद्घोष हुआ। इसी संस्कार ने कालांतर में विदेशी दासता के विरुद्ध एक प्रबल प्रतिरोध को जन्म दिया। 1857 की महाक्रांति से लेकर 1947 की स्वतंत्रता और तत्पश्चात 1950 में भारत के गणतंत्र बनने तक, हरियाणा ने अपना सर्वस्व न्योछावर किया। देश के लिए यहां का किसान हल छोड़कर तलवार उठाने में कभी नहीं हिचकिचाया और जवान कभी भी शहादत से पीछे नहीं हटा। आज उस कालखंड की यात्रा करते हैं जब हरियाणा के वीरों ने अपने रक्त से भारत के मस्तक पर आजादी का तिलक लगाया। इतिहास की पाठ्य पुस्तकों में अक्सर 10 मई 1857 को मेरठ से क्रांति की शुरुआत मानी जाती है, लेकिन ऐतिहासिक दस्तावेज और स्थानीय लोकगाथाएं इसकी गवाही देती हैं कि क्रांति का वास्तविक बीजारोपण और प्रथम विस्फोट अंबाला की छावनी में हुआ था। मेरठ की घटना से लगभग 9 घंटे पूर्व, अंबाला छावनी में 60वीं नेटिव इन्फेंट्री और 5वीं नेटिव इन्फेंट्री ने विद्रोह की योजना बना ली थी। यह योजना अत्यंत व्यापक थी, जिसमें चर्च में अंग्रेजों पर हमला करना शामिल था। दुर्भाग्यवश, एक गद्दार सैनिक की मुखबिरी के कारण अंग्रेजों ने समय रहते हथियार जब्त कर लिए। यद्यपि अंबाला का विद्रोह दबा दिया गया, लेकिन इसने पूरे उत्तर भारत में अंग्रेजों के मन में भय का संचार कर दिया। जो इस बात का प्रमाण था कि हरियाणा की मिट्टी में विद्रोह के बीज अंकुरित हो चुके थे।

रेवाड़ी और अहीरवाल क्षेत्र में क्रांति का नेतृत्व राव तुलाराम और उनके चचेरे भाई गोपाल देव ने किया। उन्होंने स्वयं को स्वतंत्र घोषित कर अंग्रेजों को कर देना बंद कर दिया। 16 नवंबर 1857 को नारनौल के पास नसीबपुर के मैदान में जो युद्ध हुआ, वह 1857 की क्रांति के सबसे भीषण युद्धों में गिना जाता है। अंग्रेज अधिकारी कर्नल गेरार्ड के नेतृत्व वाली सेना और राव तुलाराम के वीरों के बीच हुए इस युद्ध में नारनौल की धरती लाल हो गई थी। कर्नल इस युद्ध में मारा गया, लेकिन संसाधनों के अभाव में राव तुलाराम को पीछे हटना पड़ा। वे तांत्या टोपे और अन्य क्रांतिकारियों से संपर्क साधने और विदेशी सहायता प्राप्त करने के लिए काबुल चले गए, जहां 1863 में उनकी मृत्यु हुई। उनकी स्मृति में आज भी हरियाणा 23 सितंबर को 'शहीदी दिवस' मनाता है। हरियाणा में क्रांति केवल राजाओं तक सीमित नहीं थी, बल्कि यह सर्वखाप और जन-सामान्य का युद्ध था। हिसार और हांसी में लाला हुकम चंद जैन और मिर्जा मुनीम बेग ने क्रांति की मशाल थामी। जब अंग्रेज वापस लौटे, तो उनका दमन चक्र इतना क्रूर था कि हांसी की एक सड़क पर क्रांतिकारियों को लिटाकर उन पर भारी रोड रोलर चलवा दिए गए। वह सड़क आज भी 'लाल सड़क' के नाम से जानी जाती है। इसी प्रकार बल्लभगढ़ के राजा नाहर सिंह ने दिल्ली की सुरक्षा का जिम्मा उठाया। उन्होंने अंग्रेजों को दिल्ली में घुसने से रोकने के लिए कड़ा संघर्ष किया। अंततः धोखे से उन्हें गिरफ्तार किया गया और उनके जन्मदिन के ही दिन चांदनी चौक पर सार्वजनिक रूप से फांसी दी गई। भिवानी जिले के गांव रोहनात के क्रांतिकारियों ने 29 मई 1857 को गांव से 19 किलोमीटर दूर तोशाम स्थित सरकारी खजाने पर हमला करके उसे लूट लिया। बाद में उन्होंने हिसार के गुजरी महल स्थित एक जेल पर हमला किया और वहां कैद कई क्रांतिकारियों को छुडा लिया। रोहनात के ग्रामीणों के नेतृत्व में क्रांतिकारियों ने हांसी में ग्यारह और हिसार में 12 अंग्रेज अफसरों को मार डाला। इन क्रांतिकारियों में पुट्ठी मंगलखान, मंगाली, हाजिमपुर और जमालपुर जैसे आस-पास के गांवों के निवासी भी शामिल थे। इस कारण बाद में अंग्रेजों ने पूरे गांव को तोप से उड़ा दिया और बची हुई जमीन को नीलाम कर दिया। रोहनात के स्वाभिमानी लोगों ने आजादी के बाद भी दशकों तक तिरंगा नहीं फहराया, जब तक कि उनका सम्मान पूर्णतः बहाल नहीं हुआ। 1858 में हरियाणा को समृद्ध उत्तर-पश्चिमी प्रांत (आगरा-अवध) से अलग कर पंजाब में मिला दिया गया। यह केवल भौगोलिक हस्तांतरण नहीं था, बल्कि हरियाणा के विकास को अवरुद्ध करने का षड्यंत्र था। नहरी पानी रोका गया, शिक्षा के द्वार बंद किए गए और सरकारी नौकरियों में भेदभाव किया गया। इस घोर निराशा के काल में आर्य समाज एक प्रकाश स्तंभ बनकर उभरा। 1880 में स्वामी दयानंद सरस्वती ने रेवाड़ी आकर न केवल गोशाला की स्थापना की, बल्कि स्वदेशी और स्वराज का मंत्र भी दिया। आर्य समाज ने हरियाणा के ग्रामीण अंचल में शिक्षा का प्रसार किया और अंधविश्वासों को तोड़ा। लाला लाजपत राय ने हिसार को अपनी कर्मभूमि बनाया। आर्य समाज के मंचों से ही राष्ट्रीयता की भावना जन-जन तक पहुंची।

बाबू बालमुकुंद गुप्त, विशंभर नाथ कौशिक और पंडित श्रीराम शर्मा जैसे बुद्धिजीवियों ने अपनी कलम को हथियार बनाया। पंडित श्रीराम शर्मा का पत्र 'हरियाणा तिलक' और जाट गजट जैसे अखबारों ने लोगों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया। 'मिक्स्चर' और 'शिवशंभु के चिट्ठे' जैसे व्यंग्यों के माध्यम से अंग्रेजी शासन की बखिया उधेड़ी गई। अंग्रेजों से डोमिनियन स्टेटस की उम्मीद में प्रथम विश्व युद्ध के दौरान हरियाणा के हजारों युवाओं ने अपनी जान दी, लेकिन बदले में जलियांवाला बाग और काला कानून 'रोलेट एक्ट' मिला। 1919 में जब महात्मा गांधी इस दमनकारी कानून के विरोध में पंजाब जा रहे थे, तो 10 अप्रैल को उन्हें हरियाणा के पलवल रेलवे स्टेशन पर गिरफ्तार किया गया। यह महात्मा गांधी की भारत में पहली राजनीतिक गिरफ्तारी थी। 1920 से 1922 में असहयोग आंदोलन के दौरान पंडित नेकीराम शर्मा का कद बहुत बढ़ गया तो अंग्रेजों ने उन्हें खरीदने की कोशिश की और जमीन का लालच भी दिया। उनका कहना था, 'मुझे तो संपूर्ण भारत की भूमि चाहिए।' उन्हें 'हरियाणा केसरी' की उपाधि दी गई। रोहतक, भिवानी और अंबाला में विदेशी कपड़ों की होली जलाई गई। 1930 में दांडी मार्च के दौरान समुद्र विहीन हरियाणा में भी नमक कानून तोड़ा गया। रेवाड़ी, हिसार और अंबाला में खारा पानी उबालकर या मिट्टी से नमक बनाकर प्रतीकात्मक विरोध किया गया। इस आंदोलन की खास बात यह थी कि इसमें हरियाणवी महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। 1942 में भारत छोड़ो आन्दोलन में हरियाणा का उग्र रूप देखने को मिला। 'करो या मरो' का नारा गांवों में गूंज उठा। डाकखाने, रेलवे स्टेशन और सरकारी इमारतें को निशाना बनाया गया।

इस आंदोलन में कालका की बेटी अरुणा आसफ अली ने जो शौर्य दिखाया, वह इतिहास के पन्नों में स्वर्ण अक्षरों में दर्ज है। जब कांग्रेस के सभी बड़े नेता जेल में थे, तब अरुणा आसफ अली ने मुंबई के ग्वालिया टैंक मैदान में तिरंगा फहराकर आंदोलन का नेतृत्व किया। उन्हें '1942 के आंदोलन की रानी' कहा जाता है। इसी प्रकार स्वतंत्रता संग्राम में चौधरी छोटूराम की भूमिका महत्वपूर्ण रही। उन्होंने 'साहूकार पंजीकरण एक्ट' और 'कर्ज माफी' जैसे कानूनों के जरिए किसानों को आर्थिक गुलामी से मुक्त कराया। नेताजी सुभाष चंद्र बोस के 'तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा' के आह्वान का सबसे गहरा असर हरियाणा के युवाओं पर पड़ा। उस समय के संयुक्त पंजाब से आजाद हिंद फौज में भर्ती होने वाले सैनिकों में सबसे बड़ी संख्या हरियाणा के क्षेत्रों रोहतक, झज्जर, भिवानी और महेंद्रगढ़ से थी। मेजर सूरजमल, कर्नल मेहरदास और कैप्टन कंवल सिंह जैसे वीरों ने इंफाल और कोहिमा के मोर्चों पर ब्रिटिश सेना के छक्के छुड़ा दिए थे। सिंगापुर और बर्मा के जंगलों में लड़ते हुए हजारों हरियाणवी सपूतों ने शहादत दी। स्वतंत्रता संग्राम केवल अंग्रेजों को भगाने तक सीमित नहीं था, बल्कि यह सामंतवादी शक्तियों से मुक्ति और एक अखंड गणतंत्र के निर्माण की भी लड़ाई थी। 15 अगस्त 1947 को देश आजाद हुआ, लेकिन हरियाणा के कई हिस्सों में संघर्ष अभी बाकी था। हरियाणा में लोहारू, पटौदी, दुजाना और जींद जैसी कई रियासतें थीं जहां नवाबों और राजाओं का शासन था। यहां की जनता दोहरी गुलामी झेल रही थी, एक अंग्रेजों की और दूसरी स्थानीय शासकों की। लोहारू के नवाब के अत्याचारों के खिलाफ किसानों ने लंबा संघर्ष किया। 1946-47 में प्रजामंडल आंदोलन ने उग्र रूप ले लिया, जिसके कारण अंततः नवाब को झुकना पड़ा और लोहारू का भारत संघ में विलय हुआ। पटौदी और दुजाना में भी बाबू दयाल शर्मा और अन्य नेताओं के नेतृत्व में प्रजामंडल ने रियासतों के लोकतंत्रीकरण और भारत में विलय के लिए आंदोलन चलाया। इससे यह सुनिश्चित हुआ कि हरियाणा का कोई भी हिस्सा राजशाही के अधीन नहीं रहा।

1857 की क्रांति के पहले शहीद से लेकर 1947 के अंतिम संघर्ष तक और फिर 562 रियासतों के एकीकरण के महायज्ञ तक, हरियाणा ने जो आहुति दी है, वह अविस्मरणीय है। यह केवल संयोग नहीं है कि आज भी भारतीय सेना में हर दसवां सैनिक हरियाणा से आता है। यह उस विरासत का विस्तार है जो राव तुलाराम, राजा नाहर सिंह, लाला लाजपत राय, अरुणा आसफ अली जैसे हजारों अज्ञात शहीदों ने सौंपी थी। आज जब भारत 'अमृत काल' में प्रवेश कर चुका है और एक सशक्त गणतंत्र के रूप में विश्व पटल पर खड़ा है, तो उस नींव के पत्थरों को नमन करना हमारा परम कर्तव्य है। हरियाणा के इन वीरों की गाथाएं आने वाली पीढ़ियों को सदैव राष्ट्र-आराधना के लिए प्रेरित करती रहेंगी।

> **यह केवल संयोग नहीं है कि आज भी भारतीय सेना में हर दसवां सैनिक हरियाणा से आता है। यह उस विरासत का विस्तार है जो राव तुलाराम, राजा नाहर सिंह, लाला लाजपत राय, अरुणा आसफ अली जैसे हजारों शहीदों ने सौंपी थी। आज जब भारत 'अमृत काल' में प्रवेश कर चुका है और एक सशक्त गणतंत्र के रूप में विश्व पटल पर खड़ा है, तो उस नींव के पत्थरों को नमन करना हमारा परम कर्तव्य है।**

कविता | **कृष्ण गोपाल विद्यार्थी**

चुनाव घोषणा पत्र

पंच बणया सरपंच बणया पर कोन्या पार बसाई
एमएलए का लड़ूं इलैक्शन इब के जी म्हं आई

भाण-भाईयो इब कै सारे मिलकै जोटा ला दो
किसे ढाल अपणे भाई नै चण्डीगढ पहुँचा दो
मेहर करो कट ज्या मेरी भी माया की करड़ाई...

थमनै बेरा सै मैं कदै भी झूठी बात ना करता
चोगरदे कै देख लिया अक चौधर बिन ना सरता
थम जणो सो नहीं सेधती लीडर नै महँगाई...

एमएलए बणग्या तै थारे सारे काम करूँगा
मीठे पाणी की ठूठी हर घर म्हं लगवा दयूंगा
जोहड़ के पाणी नै कद तक पीवैंगे लोग लुगाई...

दिल्ली मैट्रो के आवण म्हं कती ना होगी देरी
हर पाने म्हं बणें स्टेशन रहैगी कोशिश मेरी
हर टेसन पे करैंगे स्वागत हलके के हलवाई...

बिजली-पाणी के बिल थारे कती ऐ माफ़ करूंगा
टीम बणा कै सारी गालां नै खुद साफ़ करूंगा
बीमारां नै मुफ्त मिलेंगें डाक्टर और दवाई...

शहर म्हू एयरपोर्टग्राम म्हं हेलीपैड बणैंगे
जोहड़ म्हं पाणी कम होया तै बारिश ड्रोन करैंगे
घर-घर सी.सी.टीवी होगें मुफ्त म्हं वाई फाई...

जीत गया तै सुख पाओगे गुण गाओगे मेरा
गलती ते भौ हरा दिया तैफेर थमने सै बेरा
खाट खड़ी कर दयूंगा सबकी ज्यै कुर्सी ना थ्याई..

कविता | **राजपाल सिंह गुलिया**

भाईचारा वो आपस का

भाईचारा वो आपस का , प्रेम प्यार वो कड़ै गए ।
च्यार आदमी के कहँगे इब, बता च्यार वो कड़ै गए ॥

कड़ै गया वो हाँस्सी ठठ्ठा ,कड़ै गया वो लास्सी मठ्ठा ,
आपस के इस प्रेम भाव का , किसने बठा दिया सै भट्ठा
कोळी भर - भर मिल्या करैं थे , मिलनसार वो कड़ै गए ।
भाईचारा वो आपस का , प्रेम-प्यार वो कड़ै गए॥

भूलै सब अपणी रीताँ नै, सुर बदले सैं इन गीताँ नै
कोए देख कै राजी ना सै, आजकाल खाते पीताँ नै
यारबाज दुख बाँट्या करते, बात यार वो कड़ै गए।
भाईचारा वो आपस का , प्रेम - प्यार वो कड़ै गए ॥

गायब सै इब हँसी ठिठोळी, बात-बात पै मारैं गोळी,
दिल इनका बेरहम घणा सै, सूरत इनकी लागें भोळी
कड़े सरम के गए रिसाले, रिसलदार को कड़े गए ।
भाईचारा वो आपस का, प्रेम - प्यार वो कड़ै गए ॥

कोसिस सभ नै करणी होगी. नई नींम याह धरणी होगी.
खाई खोदी जो नफरत की , सभनै मिलकै भरणी होगी
डगमग होर्यी नाव आज याह, कर्णधार वो कड़ै गए।
भाईचारा वो आपस का , प्रेम - प्यार वो कड़ै गए ॥

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

कवायद

निर्माण पर 15 करोड़ रुपये की कुल राशि व्यय हुई तथा 21 हजार मजदूरों ने उस अवधि में कार्य किया

अंग्रेजों को 18 वर्ष लगे थे नई दिल्ली शहर बसाने में

इतिहास | **यशपाल गुलिया**

वर्ष 1912 तक अंग्रेजों ने भारत में अपना साम्राज्य कलकत्ता को राजधानी बनाकर कायम किया था। बता दें कि तीसरे दिल्ली दरबार में 12 दिसम्बर 1911 को अंग्रेज सम्राट जार्ज पंचम ने दिल्ली को राजधानी घोषित किया था। दिल्ली का तीसरा दरबार मुखर्जी नगर के पास कोरोनेशन पार्क में लगा था, जिसमें प्रथम बार कोई बरतानवी सम्राट व महाराना मेरी पधारे थे।

उस समय भारत का अंग्रेज वायसराय लॉर्ड हार्डिंग था। सम्राट के साथ भारत मन्त्री मार्कविश क्रीऊ भी आया था। उस भव्यतम दरबार में भारतीय देशी शासकों, नवाबों व राजाओं के लिए सिविल लाइन में अलग से शिविर लगाए गए थे। दरबार स्थल के पास सम्राट ने अंग्रेजों की नई राजधानी की आधारशिला रखी थी। कहा गया था कि आने वाले कुछ ही वर्षों में इस स्थान पर भव्य इम्पीरियल राजधानी स्थापित होगी, लेकिन उसी दौरान कुछ ऐसी घटनाएं हुई थी जिसको अंग्रेजों के लिए अपशुकन कहा जाता है। प्रथम तो जार्ज पंचम विलायत से चले तो दुर्घटना हुई थी। दूसरी घटना, दरबार करने के बाद सम्राट के खेमे में आग लग गई। तीसरी, लार्ड हार्डिंग के जुलूस निकालते समय 23 दिसम्बर को उनके हाथी पर चांदनी चौक में बम से हमला किया गया, लेकिन उनसे भयभीत हुए बगैर लाई हार्डिंग ने कलकत्ता से दिल्ली राजधानी स्थानान्तरण का कार्य आरम्भ रखा। वह अपना प्रशासनिक मुख्यालय दिल्ली यूनिवर्सिटी में स्थापित करके विधिवत योजना बनाने में व्यस्त रहे। मैटकाफ हाऊस को काउंसिल हाउस के तौर पर प्रयोग किया गया।

नई दिल्ली स्थित वायसराय हाउस जो 1947 के बाद राष्ट्रपति भवन कहा जाने लगा। अंग्रेजों द्वारा निर्मित 1857 संग्राम का स्मारक।

नई राजधानी का अलग से शहर बसाने के लिए विशेषज्ञों की राय एवं समिति बनाई जाने लगी। इसी क्रम में सर्वप्रथम लार्ड हार्डिंग ने 17 सितम्बर 1912 को दिल्ली को एक सूबा बनाया, जो 1858 से पंजाब का एक जिला मात्र बना दिया गया था। तब तक ब्रिटेन से भी घटना विशेषज्ञों, योजनाकारों एवं अभियन्ताओं की एक महत्वपूर्ण समिति को गठित किया गया था। इसमें एडविन एन लुटियन्स, जान. ए. ब्रोडी, हरबर्ट बेकर, कैप्टन जार्ज स्वीन्टन, थामस वार्ड और जैफरी मोन्ट मोरेन्सी थे। उस ऐतिहासिक समिति को 12 मार्च 1912 को स्वीकृति प्रदान करते हुए सम्राट ने हिदायत दी कि यह आवश्यक नहीं है कि जहां शिलान्यास हुआ था, वहीं नया शहर बसाया जाए। दिल्ली की रिज को अंग्रेजों के लिए शुभ बताते हुए वहां कुछ निर्माण नहीं करना। उल्लेखनीय है कि 1857 के स्वतन्त्रता संग्राम में अंग्रेज सेना चार मास तक उसी रिज पर डटी रही तथा वहीं से दिल्ली पर अंग्रेज फिर से कब्जा ले सके थे। आदेशानुसार नवगठित समिति ने 28 मार्च 1912 को दिल्ली के लिए प्रस्थान किया और वहां पहुंचकर शामनाथ मार्ग स्थित मेडेन होटल में डेरा डाल दिया। तब लार्ड हार्डिंग के काफी विचार-विमर्श के बाद नए शहर के लिए स्थान निश्चित किया गया, जो मालचा नामक गांव के क्षेत्र तथा रायसिना की निम्न पहाड़ी का क्षेत्र था। इसके बाद समिति ने गांव को स्थानान्तरित करके नए शहर के भवनों का निर्माण आरम्भ कर दिया। वर्तमान राष्ट्रपति भवन, संसद भवन, छावनी व अन्य मुख्यालय भवनों का कार्य आरम्भ ही हुआ था कि 1914 में प्रथम विश्वयुद्ध हो जाने से अनेक बाधाएं आई। अन्ततः 18 वर्षों के बाद वर्तमान नई दिल्ली का कार्य सम्पन्न हुआ। इसमें तब 15 करोड़ रुपये की कुल राशि व्यय हुई तथा कुल 21 हजार मजदूरों ने उस अवधि में कार्य किया। तब तक हार्डिंग के बाद चेम्सफोर्ड, लार्ड रिडिंग व लार्ड इर्विन दिल्ली में वायसराय के पद पर विराजमान हुए। 15 फरवरी 1931 को लार्ड इर्विन ने नई दिल्ली का उद्घाटन किया। कुछ सहयोगी भारतीय शासकों पटियाला, बड़ोदा, हैदराबाद, जयपुर व बिकानेर आदि के राजाओं के लिए भी अपने भवन बनाने के लिए नई दिल्ली में जगह दी गई थी। हालांकि, उद्घाटन के बाद केवल 16 वर्षों तक ही अंग्रेज नई दिल्ली का उपयोग कर पाए।

हरियाणवी सिनेमा में बेहतर कंटेंट कम और चुनौतियां ज्यादा : मनीषा हंस

कलाकार | **डा. तबस्सुम जहां**

मनीषा हंस वह शख़्सियत हैं जिन्हें थियेटर के माध्यम से न केवल अभिनय के गहरे संस्कार मिले हैं बल्कि वे हमेशा लीक से हटकर संजीदा व अर्थपूर्ण काम करने के लिए जानी जाती हैं। वह एक सशक्त अभिनेत्री और प्रभावी मंच संचालि होने के साथ ही एक प्रतिबद्ध सामाजिक कार्यकर्ता भी हैं, जो सामाजिक मुद्दों पर बेबाकी से अपनी राय रखती हैं। मनीषा हंस का बचपन ज्यादातर हिसार में बीता। इन्होंने बीए (संस्कृत ऑनर्स), एमए (अंग्रेजी) राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, हिसार से तथा एमए (हिंदी) कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय से की।

ये 1988–90 में लगातार दो बार यूनिवर्सिटी की बेस्ट एक्ट्रेस रहीं और फरवरी 1990 में राष्ट्रीय युवा उत्सव में चयनित नाटक 'कुमारसम्भव' में अभिनय किया। इसके बाद शिक्षा मंत्रालय द्वारा संचालित साक्षरता एवं सतत शिक्षा कार्यक्रम 'सर्च' राज्य संसाधन केंद्र, हरियाणा में 22 वर्षों तक सीनियर फ़ेलो के रूप में कार्य किया और वर्तमान में रोहतक में ज्ञान–विज्ञान आंदोलन से जुड़ी हुई हैं। साक्षरता अभियान से जुड़कर उन्हें समझ आया कि समाज के विकास में ही अपना विकास है और कला जन-उत्थान का सशक्त माध्यम है। महिलाओं के साथ काम करते हुए उन्होंने पितृसत्तात्मक समाज की सच्चाइयों को समझा और 1999 में जेंडर विमर्श पर आधारित नाटकों के माध्यम से गांवों तक यह संदेश पहुंचाया। वे लल्लन टॉप के उस मंच तक पहुंचने तथा वायरल होने के विषय में बताती हैं कि इस कार्यक्रम में बहस के दौरान हुए तर्क-वितर्क से प्रेरित होकर स्वतः स्फूर्त जावेद अख्तर साहब और मौलाना से सवाल पूछा गया। इसके पीछे उनकी कोई पूर्व नियोजित सोच नहीं थी। उनके अनुसार समाज को बेहतर बनाना हम सबकी ज़िम्मेदारी है। कमज़ोर होते मानवीय मूल्यों के बीच एक मानवीय समाज का निर्माण ही हमारा साझा लक्ष्य होना चाहिए। वह समाज सेवा को स्वयं के लिए सुकून नहीं बल्कि जीवन भर का संघर्ष मानती हैं, उनका मानना है कि विकास आज भी एक तरफ़ा है और अवसर मुट्ठी-भर लोगों तक सीमित हैं। स्वयं उनके शब्दों में - 'मैं मानती हूं कि प्रतिभाओं की नहीं, अवसरों की कमी है, और संस्थाओं के साथ मिलकर सामूहिक प्रयास से ही समाज की व्यवस्था बेहतर हो सकती है।' उनका मानना है कि समाज के सहयोग से ही व्यक्ति पहचान पाता है, इसलिए समाज के प्रति अपना ऋण समझना ज़रूरी है।

मनीषा ने अपने अभिनय करियर में फ़ीचर फ़िल्मों, वेब सीरीज़, शॉर्ट फ़िल्मों, विज्ञापनों और ओटीटी प्रोजेक्ट्स में विविध भूमिकाएं निभाई हैं। प्रमुख फ़िल्मों में राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त हरियाणवी फ़ीचर फ़िल्म पगड़ी द ऑनर, नई पीढ़ी (हरियाणवी फ़िल्म, अप्रदर्शित), स्टेज पर वेब सीरीज़ दहलीज़, ओटीटी सीरीज़ सुरंग (कैमियो) और तांडव (कैमियो) शामिल हैं। इसके अलावा जनेऊ, ताली, ममता, लॉक अप/डाउन, स्टूडियो एक्सरसाइज़, क्राइम स्टोरी ऑन ख़बर फ़ास्ट, ज़रक, धारां का टेम, फ़ीचर फ़िल्म धावक, पंजाबी शॉर्ट फ़िल्म छलावों की बारात के लिए वॉयस ओवर, आकाश घर तथा लाहौरी जीरा विज्ञापन में अभिनय किया है। इसके अलावा पारो, द अनओन्ड हाउस और ममता फिल्म को अनेक नेशनल इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में सम्मानित किया जा चुका है। हरियाणवी फ़िल्म इंडस्ट्री के अभी तक के सफर के बारे में वह बताती हैं कि हरियाणवी फ़िल्मों में एक ओर दिखावटी गौरव और मौज-मस्ती है, तो दूसरी ओर किसान, मज़दूर और महिलाओं के संघर्ष को ईमानदारी से दिखाने की कोशिश। सीमाओं के बावजूद ऐसी फ़िल्में पैरलल सिनेमा जैसी लगती हैं और युवाओं की बढ़ती रचनात्मकता से भविष्य की उम्मीद बनती है। उनके अनुसार, दर्शकों की आदतें बदली हैं और ओटीटी का उभरना एक सकारात्मक कदम है, जहां बड़े प्लेटफॉर्म्स अधिक निवेश, बेहतर तकनीक और विविध विषयों के कारण ऊंचा स्तर दिखाते हैं। छोटे प्लेटफॉर्म्स पर कम निवेश से क्वालिटी और कलाकारों की आजीविका दोनों प्रभावित हो रही हैं। हरियाणवी परिदृश्य में काम तो शुरू हुआ है पर स्थायित्व अभी नहीं है। इसके अलावा अभी हरियाणवी सिनेमा से संतुष्टि की बात नहीं है, क्योंकि बेहतर कंटेंट कम है और चुनौतियां ज़्यादा हैं। सिनेमा का दायित्व है कि वह समाज से सवाल करे और कलाकारों व स्टाफ को उचित मेहनताना देकर कला के स्तर को ऊपर उठाए। सुपवा ने हरियाणा और उत्तर भारत के छात्रों को सिनेमा-टीवी की समझ और आगे बढ़ने का अच्छा अवसर दिया है।

हरियाणा से बहुत टैलेंट मुंबई गया है तो क्या आप उसे पलायन मानती हैं या अपनी प्रतिभा को राष्ट्रीय फलक देने का एक अवसर। इस विषय पर मनीषा हंस ने बताया कि हरियाणा से मुंबई जाकर काम करना पलायन नहीं, बल्कि अभिव्यक्ति और अवसर की तलाश है, क्योंकि यहां सिनेमा का सतत माहौल और नीतिगत सहयोग पहले नहीं रहा। कला बिना अभिव्यक्ति के संभव नहीं होती, इसलिए कलाकारों ने बाहर जाकर पहचान बनाई और हरियाणवी सिनेमा की तो अभी शुरुआत ही है। छोटे प्लेटफॉर्म्स पर कम निवेश से क्वालिटी और कलाकारों की आजीविका दोनों प्रभावित हो रही हैं, हरियाणवी परिदृश्य में काम तो शुरू हुआ है पर स्थायित्व अभी नहीं है। मनीषा मानती हैं कि हरियाणा में स्टेज ऐप सिनेमा के क्षेत्र में अच्छा काम कर रहा है। इस पर कंटेंट के स्तर में सुधार शुरू हुआ है, इसे बनाए रखते हुए कलाकारों को सुरक्षा देने वाला मजबूत प्लेटफॉर्म बनना चाहिए। एक्टर यूनियन, कॉन्ट्रैक्ट, रॉयल्टी और बेहतर इन्वेस्टमेंट पर ध्यान दिए बिना उच्च स्तरीय कंटेंट संभव नहीं है।

> **वेबसीरीज़ सकारात्मक कदम**
>
> मनीषा वेबसीरीज़ और ओटीटी प्लेटफार्म का आना हरियाणवी सिनेमा के क्षेत्र में एक सकारात्मक कदम मानती हैं, क्योंकि वेबसीरीज़ ने दर्शकों की आदतें बदली हैं और ओटीटी का उभरना सकारात्मक है, जहां बड़े प्लेटफॉर्म्स अधिक निवेश, बेहतर तकनीक और विविध विषयों के कारण ऊंचा स्तर दिखाते हैं।

विकासोन्मुखी और कल्याणकारी बताने से लेकर जनविरोधी करार देने तक, नेताओं की मिली-जुली प्रतिक्रिया

केंद्रीय बजट: आम बजट पर सियासी घमासान, सत्तापक्ष ने सराहा, विपक्ष ने घेरा

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किए गए आम बजट पर मिली-जुली प्रतिक्रिया हुई है। सत्तापक्ष ने इस बजट की सराहना करते हुए विकास को गति देने वाला बताया है, वहीं विपक्षी दलों ने जनविरोधी करार दिया है।

केंद्रीय बजट विकासोन्मुखी

हरियाणा के लोकनिर्माण एवं जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा रविवार को पेश किए गए केंद्रीय बजट को विकासोन्मुखी बताते हुए कहा कि देश को विश्व की तीसरी आर्थिक महाशक्ति बनाते हुए विकसित भारत की अवधारणा को सार्थक करने वाला यह एक दूरदर्शी बजट है। यह हरियाणा में आधारभूत ढांचे को मजबूत बनाते हुए कृषि और रोजगार क्षेत्र में बड़े सुधार लाने वाला बजट है। उन्होंने कहा कि बजट में राज्यों को कुल 1.4 लाख करोड़ रुपये का अतिरिक्त कर हिस्सा देने का ऐलान किया गया है।

आत्मनिर्भर भारत की भावना को सशक्त करने वाला बजट

पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ. कमल गुप्ता ने केंद्रीय बजट 2026-27 का स्वागत करते हुए इसे विकास, रोजगार और आत्मनिर्भर भारत की भावना को सशक्त करने वाला बजट बताया है। उन्होंने कहा कि यह बजट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश को आर्थिक रूप से मजबूत, आत्मनिर्भर और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। बजट में इंफ्रास्ट्रक्चर, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, लघु उद्योग, और स्टार्टअप्स पर विशेष ध्यान दिया गया है।

बजट अंत्योदय और समावेशी विकास को समर्पित: अनूप धानक

पूर्व मंत्री अनूप धानक ने बजट को देश को नई आर्थिक गति देने वाला बताते हुए इसका स्वागत किया है। अनूप धानक ने कहा कि यह बजट अंत्योदय, आत्मनिर्भरता और समावेशी विकास को समर्पित है। युवाओं के लिए स्किल डेवलपमेंट, महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और मध्यम वर्ग को राहत देने वाले प्रावधान देश को प्रगति के पथ पर ले जाएंगे। उन्होंने कहा कि यह बजट गांव, गरीब और छोटे व्यापारियों के लिए आशा की किरण है।

कल्याणकारी व विकास को गति देने वाला बजट: कुलदीप

वरिष्ठ भाजपा नेता एवं पूर्व सांसद कुलदीप बिश्नोई ने देश के आम बजट को कल्याणकारी व विकास को गति देने वाला बताया है। उन्होंने कहा कि बजट में आम जनता पर कोई नया कर न लगाकर केंद्र सरकार ने साबित कर दिया है कि वह सही मायनों में 'सबका साथ, सबका विकास व सबका विश्वास' के सिद्धांत के साथ काम कर रही है। उन्होंने कहा के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार लगातार जनहितैषी कार्य करते हुए देश को विकास के रास्ते पर आगे ले जा रही है।

कल्याणकारी व हर वर्ग का हितैषी बजट : आशा खेदड़

भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ. आशा खेदड़ ने देश के आम बजट को कल्याणकारी व हर वर्ग का हितैषी बताया है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय वित्त मंत्री ने जो बजट पेश किया है, वह विकसित भारत की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगा। उन्होंने कहा कि प्रधामंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन ने देश के विकास को गति देने वाला व विकास दर बढ़ाने वाला बजट पेश किया है। भाजपा सरकार का हमेशा प्रयास रहता है कि मेक इन इंडिया को मजबूत करते हुए देश को आर्थिक रूप से मजबूत बनाया जाए और यह बजट उसी का प्रतीक है।

समाज के हर वर्ग को राहत देने वाला बजट : रणधीर धीरू

भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व चेयरमैन रणधीर सिंह धीरू ने कहा है कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा संसद में पेश किया गया बजट समाज के हर वर्ग को राहत देने वाला है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय बजट विकसित भारत-2047 के लक्ष्य की दिशा में मजबूत और दूरदर्शी कदम है। उन्होंने कहा कि यह बजट देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती देने वाला है, जिसमें गरीब, किसान, युवा, महिला और मध्यम वर्ग सभी के हित सुरक्षित किए गए हैं।

केंद्रीय बजट हर वर्ग का हितैषी : पीयूष मेहता

भाजपा सहकारिता प्रकोष्ठ के प्रदेश सह संयोजक एवं भाजपा जिला प्रवक्ता पीयूष मेहता ने कहा कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा आज संसद में पेश किया गया बजट समाज के हर वर्ग को राहत देने वाला है। उन्होंने कहा कि बजट में युवाओं व किसानों के लिए विशेष रूप से प्रावधान किए गए हैं तथा रोजगार को बढ़ाने वाला बजट है। पीयूष मेहता ने हिसार में राखी गढ़ी को 15 आइकॉनिक पुरातत्व स्थानों में शामिल करने को क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देने वाला बताया।

केंद्रीय बजट दूरदर्शी व ऐतिहासिक दस्तावेज: अनिल मानी

भाजपा के जिला उपाध्यक्ष एवं पूर्व सीनियर डिप्टी मेयर अनिल सैनी मानी ने कहा है कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किया गया बजट विकसित भारत के संकल्प को सिद्ध करने वाला एक दूरदर्शी और ऐतिहासिक दस्तावेज है। इस बजट के तीन मुख्य विजन रफ्तार, क्षमता और सब का साथ है। उन्होंने कहा कि बजट में गरीब, किसान, युवा, महिला और मध्यम वर्ग सभी के हित सुरक्षित किए गए हैं। उन्होंने बताया कि युवाओं के लिए स्किल डेवलपमेंट, स्टार्टअप और इनोवेशन को बढ़ावा देने के लिए बजट में ठोस प्रावधान किए गए हैं।

आम जन की उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा बजट: राजेन्द्र सोरखी

आम आदमी पार्टी के जिला अध्यक्ष राजेन्द्र सोरखी ने केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह बजट आमजन की उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा। उन्होंने आरोप लगाया कि बजट में गरीबों के लिए केवल भाषण और आंकड़े हैं, जबकि अमीर वर्ग को भारी आर्थिक रिबेट देकर फायदा पहुंचाया गया है। सोरखी ने कहा कि मध्यम वर्ग भ्रष्टाचार, महंगाई और बेरोजगारी से जूझ रहा है, लेकिन सरकार उसे ठोस राहत देने में विफल रही है। उन्होंने कहा कि बजट ने साबित कर दिया है कि सरकार जनता की बुनियादी जरूरतों के मुद्दों पर असफल रही है।

बजट ने हर वर्ग को निराश किया

कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता एडवोकेट योगेश सिहाग ने केंद्रीय बजट 2026-27 पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि बजट ने हर वर्ग को निराश किया है। उन्होंने कहा कि इस बजट में हरियाणा के लिए कोई बड़ा प्रोजेक्ट, विशेष पैकेज या विकास योजना घोषित नहीं की गई। वहीं बेरोजगारी, महंगाई, किसानों की आय, मध्यम वर्ग को राहत, युवाओं के रोजगार, महिलाओं की सुरक्षा पर कोई ध्यान नहीं दिया गया है। उन्होंने कहा कि यह बजट देश की जनता की उम्मीदों पर खरा उतरने में पूरी तरह विफल रहा है।

बजट केवल आंकड़ों की बाजीगरी

जजपा के हिसार हलका अध्यक्ष विपिन गोयल का कहना है कि यह बजट सिर्फ आंकड़ों की बाजीगरी है, जमीनी हकीकत से इसका कोई लेना-देना नहीं। महंगाई, बेरोजगारी और किसानों की परेशानियों पर सरकार पूरी तरह चुप है।सरकार का यह बजट आम आदमी को राहत देने में पूरी तरह विफल रहा है। न युवाओं के लिए रोजगार की गारंटी है और न किसानों, व्यापारियों, कर्मचारियों के लिए कोई ठोस नीति।

बजट से कृषि में उद्यमिता को मिलेगा बढ़ावा और कृषि क्षेत्र में रोजगार बढ़ेंगे : प्रो. कम्बोज

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने सरकार द्वारा पारित किए गए बजट को किसान हितैषी बजट बताया है। उन्होंने कहा कि कृषि के लिहाज से केंद्रीय बजट 2025-26 एक सकारात्मक बजट है जिसमे की किसानों को आर्थिक सहायता में वृद्धि के साथ साथ संरक्षित एवं जैविक खेती बढ़ावा दिया गया है। पशुपालन एवं मत्स्य क्षेत्रों में भी उद्यमशीलता को बढ़ावा दिया गया है। इसके अलावा कृषि आधारित छोटे उद्योगों एवं वैल्यू एडिशन को बढ़ावा देने के बल दिया गया है जिससे कृषि क्षेत्र में और अधिक रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। बागवानी को बढ़ावा देने के लिए खास प्रावधान किए गए हैं। कुल मिलाकर यह बजट किसानों के लिए बहुत ही लाभकारी साबित होगा।

समाजवाद को बढ़ावा देते हुए महाराजा अग्रसेन जी ने हर व्यक्ति को ऊंचा उठाने का काम किया: बजरंग गर्ग

श्रम को ही भक्ति मानते थे गुरु रविदास : डॉ. धर्म सिंह

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

हिसार। गुरु रविदास जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में विचार देते वक्ता।

मलिक चौक के पास स्थित सिटी पार्क में संत गुरु रविदास जयंती मनाई गई। सहकारी उपभोक्ता मंच के धर्म सिंह जनमत इसमें मुख्य वक्ता रहे। कार्यक्रम में धर्म सिंह ने कहा कि संत गुरु रविदास जयंती का मूल उद्देश्य क्या है? इसे समझें और जीवन में धारण भी करें। प्रत्येक भारतवासी अपने दैनिक जीवन में उपयोग करें।

संत रविदास जयंती के अवसर पर केवल श्रद्धांजलि नहीं, बल्कि समकालीन समाज के लिए एक वैचारिक आह्वान भी है। इसका केंद्रीय उद्देश्य है-जाति, धर्म और पाखंड पर आधारित विभाजन का विरोध और समानता, बंधुत्व और मानवता आधारित समाज की स्थापना। मेहनतकश जनता (किसान-मजदूर-कारीगर) की गरिमा की पुनर्स्थापना। आज के दौर में जब मानवतावादी मूल्यों पर हमले तेज हो रहे हैं, तब संत रविदास के विचार और अधिक प्रासंगिक हो जाते हैं। संत रविदास का वैचारिक योगदान समानता और न्याय की प्राप्ति है।

संत रविदास ने ऊंच-नीच, जाति-व्यवस्था और छुआछूत का सीधा विरोध किया। वे ऐसे समाज की कल्पना करते हैं जहां-कोई भूखा न रहे। सभी को अन्न, वस्त्र और सम्मान मिले। राज्य व्यवस्था जनता की मूलभूत आवश्यकताओं की जिम्मेदारी ले। यही उनका प्रसिद्ध विचार है-ऐसी व्यवस्था जहां सब बराबर हों, तभी रविदास जयंती मनाना सार्थक हो। रविदास स्वयं चर्मकार (जूता बनाने का काम) करते थे जो इस बात को विशेष रूप से रेखांकित करता है कि वे श्रम को ही भक्ति मानते थे। वे राजा-महंत नहीं, बल्कि मेहनतकश गृहस्थ के आदर्श संत थे। यह बात आज के किसान-मजदूर आंदोलन से सीधे जुड़ती है। संत रविदास ने-मूर्ति पूजा, दिखावटी कर्मकांड, अंधविश्वास, धार्मिक ठेकेदारी का कड़ा विरोध किया और सहज भक्ति, सरल जीवन और नैतिक आचरण पर जोर दिया।

समाज में एक होकर बढ़ें आगे

धर्म सिंह ने कहा कि बहुत साफ शब्दों में कथन है कि-जाति एक बीमारी है। जब तक मनुष्य और मनुष्य के बीच बराबरी नहीं होगी, जाति अपने-आप नहीं जाएगी। दलितों पर रोजमर्रा के अत्याचारों (कपड़े पहनने, दुकान खोलने, बारात निकालने तक) के उदाहरण हमारे सामने हैं कि समस्या केवल इतिहास की नहीं, आज की सच्चाई है। आज संत गुरु रविदास रविदास जयंती का आयोजन हमें गौतम, बुद्ध, कबीर, नानक, दादू, मीरा, सावित्रीबाई फुले, ज्योतिबा फुले, डॉ. भीमराव आंबेडकर की मानवतावादी और समानतावादी परंपरा से जोड़ता है। आज के समय में संत गुरु रविदास की शिक्षाएं आज की सच्चाईयों पर सीधी चोट करती हैं। साम्प्रदायिक राजनीति, जातीय ध्रुवीकरण, निजीकरण, पूंजीवाद और सामंतवाद का गठजोड़ और शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि जैसे मुद्दों का हाशिये पर जाना गंभीर चिंता का विषय है। असली श्रद्धांजलि क्या है? संत रविदास को याद करने का सही तरीका मूर्ति पूजा या भाषण नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय, समानता और जन-एकता की एकजुटता को आगे बढ़ाना है।

भक्तमाल कथा के पहले दिन संत रैदास चरित्र का वर्णन

हिसार। गोविन्द की गली परिवार, श्रीधाम वृंदावन एवं लाला लखीराम आदमपुरिया परिवार की ओर से भजन शिरोमणी गोलोक वासी विनोद अग्रवाल की स्मृति में अग्रसैन भवन में आयोजित भक्तमाल कथा के पहले दिन संत रैदास (गुरु रविदास) चरित्र का वर्णन करते हुए गौरदास महाराज ने कहा कि संत रैदास ईश्वर की निष्काम भक्ति करते थे। उन्होंने बताया कि चर्मकार परिवार में जन्में रैदास ने अपनी सादगी, प्रेमपूर्ण भक्ति, मन चंगा तो कठौती में गंगा के संदेश और जाति-पाति के उन्मूलन के लिए ख्याति प्राप्त की। वे कर्म की प्रधानता में विश्वास करते थे। संत रैदास का जन्म काशी (वाराणसी) में हुआ था। उन्होंने आजीविका के लिए अपना पैतृक कार्य-जूते बनाने का काम किया। संत रैदास ने भगवान राम की भक्ति की। उनका मानना था कि ईश्वर के प्रति निष्काम भक्ति ही सर्वश्रेष्ठ है। संत रैदास ऊंच-नीच और जातिगत भेदभाव के घोर विरोधी थे। उन्होंने सदैव मानव एकता और प्रेम का संदेश दिया और समाज के दबे-कुचले लोगों को आत्मसम्मान का मार्ग दिखाया। मन चंगा तो कठौती में गंगा यह उनकी प्रसिद्ध उक्ति है, जो यह दर्शाती है कि यदि मन पवित्र है, तो ईश्वर आपके पास ही है, किसी पवित्र नदी में जाने की आवश्यकता नहीं है। पारस जैसी वस्तु को ठुकराकर उन्होंने कहा था कि सबसे बड़ा राम का नाम उनके पास है, जो उनके गुरु ने उन्हें दिया है, इससे बड़ी कोई चीज नहीं हो सकती। गौरदास महाराज ने कथा में प्रवचन देते हुए कहा कि रैदास का पूरा जीवन निस्वार्थ सेवा, सादगी और सत्य की राह पर समर्पित था।

■ मन पवित्र है, तो ईश्वर आपके पास ही है: गौरदास महाराज

मानवता, बराबरी और न्याय की राह दिखाता संत रविदास का संदेश : मा. रमेश चंद्र

हिसार। कंवारी गांव में गुरु रविदास जयंती मनाते रविदास सभा एवं अम्बेडकर सभा के सदस्य।

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

रविदास सभा एवं अम्बेडकर सभा गांव कंवारी की ओर से जन लाइब्रेरी के प्रस्तावित निर्माण स्थल पर सामूहिक भोज करके गुरु रविदास जयंती मनाई गई। 649वीं जयंती के अवसर पर सभी ग्रामवासियों ने एक साथ बैठकर पंगत में भोजन किया और भाईचारे का संदेश दिया। संत रविदास आज भी क्यों जरूरी हैं? यह विचार सभा के युवा सदस्यों ने आपस में सांझा किये।

वक्ता के रुप में रिटायर्ड प्रिंसीपल मा. रमेश चंद्र ने कहा कि आज का समय ऐसा है जब समाज को जाति, धर्म, नफरत और असमानता के नाम पर बांटा जा रहा है। मेहनतकश जनता-किसान, मजदूर, कारीगर-की जिंदगी कठिन होती जा रही है। ऐसे दौर में संत रविदास का संदेश हमें मानवता, बराबरी और न्याय की राह दिखाता है। संत रविदास केवल एक संत नहीं थे, वे मेहनतकश समाज की आवाज थे। वे जूते बनाने का काम करते थे और मानते थे कि श्रम ही भक्ति है और मनुष्य की पहचान उसके काम और आचरण से होती है, जाति से नहीं।

मा. रमेश चंद्र ने कहा कि बेगमपुरा उत्तर प्रदेश में जन्मे गुरु संत रविदास ऐसे समाज की कल्पना करते थे जहां कोई भूखा न रहे, सबको अन्न, वस्त्र और सम्मान मिले। ऊंच-नीच और भेदभाव न हो। राज्य व्यवस्था जनता की मूल जरुरतों की जिम्मेदारी ले। वे कहते थे, जब सब बराबर होंगे, तभी समाज सुखी होगा। यह सपना आज भी किसान-मजदूर के संघर्ष का मूल आधार है। संत रविदास ने साफ कहा कि जाति एक बीमारी है। पाखंड, कर्मकांड और ढोंग से समाज नहीं सुधरता। सच्ची भक्ति वही है, जो इंसान को इंसान से जोड़े।

जीतो हिसार चैप्टर का भव्य शुभारंभ नई प्रबंध समिति ने संभाला दायित्व

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

हिसार। कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथि व नवनियुक्त पदाधिकारी।

जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गनाइजेशन जीतो हिसार चैप्टर का भव्य शुभारंभ एवं नवीन प्रबंध समिति का शपथ ग्रहण समारोह गरिमामयी वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत णमोकार महामंत्र के सामूहिक उच्चारण एवं दीप प्रज्वलन से की गई। इस अवसर पर जिंदल समूह की चेयरपर्सन एवं हिसार विधायक सावित्री जिंदल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में जीतो एपेक्स टीम, उत्तर भारत के पदाधिकारी, उद्योगपति, व्यापारी एवं समाज के गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

समारोह के दौरान जीतो हिसार चैप्टर की नई प्रबंध समिति की घोषणा की गई, जिसमें आशीष जैन को अध्यक्ष, प्रमोद जैन एवं दीपक अग्रवाल जैन को उपाध्यक्ष, नवीन जैन को मुख्य सचिव, अधिवक्ता अमित जैन को संयुक्त सचिव, मुकेश जैन (हांसी) को कोषाध्यक्ष तथा आलोक जैन को संयुक्त कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया। उनके साथ विनोद जैन एवं देवेंद्र प्रसाद जैन को एडवाइज़र की जिम्मेदारी सौंपी गई। इसी अवसर पर जीतो हिसार महिला विंग की कार्यकारिणी का भी गठन किया गया, जिसमें शालिनी अग्रवाल जैन को अध्यक्ष, आंचल जैन को मुख्य सचिव, निधि जैन को संयुक्त सचिव, लक्ष्मी जिंदल जैन को कोषाध्यक्ष व खुशबू जैन को संयुक्त कोषाध्यक्ष का दायित्व सौंपा गया। यूथ विंग में आयुष जैन को चेयरमैन, ऋषभ जैन को चीफ सेक्रेटरी, समीर जैन को संयुक्त सचिव, सीए सौरव जैन को कोषाध्यक्ष तथा अनिकेत जैन को संयुक्त कोषाध्यक्ष बनाया गया।

जीतो हिसार चैप्टर का किया उद्घाटन

मुख्य अतिथि सावित्री जिंदल ने अपने संबोधन में कहा कि जीतो हिसार चैप्टर की शुरुआत केवल एक संगठन की शुरुआत नहीं है, बल्कि यह हिसार के विकास की नींव को मजबूत करने का कार्य करेगी। उन्होंने कहा कि जैन समाज देश की प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहा है, हालांकि वह अक्सर मौन भूमिका में रहता है। जीतो एपेक्स इंडिया के महामंत्री ललित डांगी ने बताया कि जीतो जैन समाज की आर्थिक उन्नति, सेवा और ज्ञानवर्धन के क्षेत्रों में कार्य कर रहा है। जीतो द्वारा हर वर्ष सात सौ मेधावी विद्यार्थियों को निःशुल्क सिविल सेवा परीक्षाओं की तैयारी करवाई जाती है।

कार्यक्रम | घिराय में 20 लाख रुपए की लागत से बने नवनिर्मित शेड का विधायक ने किया उद्घाटन

रविदास के सिद्धांतों पर चलते हुए समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास की रोशनी पहुंचाना भाजपा सरकार का लक्ष्य

हरिभूमि न्यूज ⏭ हांसी

हांसी। चार कुतुब गेट पर आयोजित संत शिरोमणि गुरु रविदास के जन्मोत्सव समारोह में नागरिकों को संबोधित करते विधायक विनोद भयाना।

संत शिरोमणि गुरु रविदास जी महान संत थे। उनकी शिक्षाओं को जीवन में अपनाकर हर व्यक्ति को समाज उत्थान में योगदान देना चाहिए। भाजपा सरकार भी उनके सिद्धांतों पर चलते हुए अंतोदय की भावना से काम कर रही है।

यह बात विधायक विनोद भयाना ने गांव चैनत, घिराय, गढ़ी, जमावड़ी, हाजमपुर तथा चार कुतुब गेट पर आयोजित संत शिरोमणि गुरु रविदास जन्मोत्सव समारोह में उपस्थित नागरिकों को संबोधित करते हुए कही।

इस दौरान विधायक ने चैनत गांव में डॉ. भीमराव अंबेडकर भवन बनवाने की घोषणा तथा घिराय गांव में दादा खेड़ा चौक तथा नवनिर्मित शेड का विधिवत उद्घाटन किया। विधायक ने चार कुतुब गेट पर आयोजित कार्यक्रम में संत शिरोमणि गुरु रविदास भवन के लिए 10 लाख रुपए देने की भी घोषणा की।

विधायक ने बताया कि भिवानी रोड चौक पर हांसी में महाराज अरुट के नाम से भव्य द्वार का निर्माण करवाया जाएगा, जिस पर लगभग 82 लाख रुपए की राशि खर्च होगी। यह द्वार शहर की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक पहचान को और मजबूत करेगा। विधायक ने यह भी कहा कि जींद चौक पर स्थित महाराजा अग्रसेन चौक का जीर्णोद्धार किया जाएगा। इस कार्य के लिए टेंडर प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और जल्द ही निर्माण कार्य शुरू करवाया जाएगा।

शहर की 5 किलोमीटर की परिधि में बनेंगे भव्य स्वागत द्वार

विधायक विनोद भयाना में कहा कि हांसी शहर और हल्का क्षेत्र में विकास कार्यों की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी और शहर को स्वच्छ, सुंदर एवं आधुनिक स्वरूप प्रदान करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। हांसी शहर तथा आसपास के क्षेत्र को सुंदर एवं आकर्षक बनाने के संकल्प को साकार करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। विधायक विनोद भयाना ने घोषणा की कि शहर से बाहर लगभग 5 किलोमीटर की परिधि में आने वाले मुख्य प्रवेश स्थलों पर भव्य स्वागत द्वारों का निर्माण करवाया जाएगा। इन स्वागत द्वारों का निर्माण कार्य ब्लॉक समिति के माध्यम से करवाया होगा, जिस पर लगभग 50 लाख रुपए की राशि खर्च की जाएगी। इन द्वारों के निर्माण से हांसी शहर की सुंदरता को चार चांद लगेंगे और शहर को नई पहचान भी मिलेगी। विधायक ने ट्रक यूनियन हांसी द्वारा आयोजित मूर्ति स्थापना कार्यक्रम तथा शहर के दिल्ली गेट पर स्थित प्राचीन श्री हनुमान मंदिर के भूमि पूजन कार्यक्रम में भी शिरकत की। उन्होंने हवन-यज्ञ में आहुति डालकर परमपिता परमात्मा से संपूर्ण मानवता के कल्याण की कामना की।इस अवसर पर मार्केट कमेटी के प्रधान दिनेश धवन, ब्लॉक समिति प्रधान प्रतिनिधि सुभाष यादव, चांद सिंह, मांगेराम, महावीर प्रसाद, रामलाल न्योलिया, अभय राम अल्हान, जय किशन न्योलिया, ट्रक यूनियन के प्रधान रमेश यादव, ओम प्रकाश मेहरा, मास्टर सतबीर महेंद्र गिरी, अंबी महंत, रणधीर न्योलिया, बक्शी ठकराल, विधायक के निजी सचिव रवि अरोड़ा सहित अनेकों गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

चारा काटते समय घायल हुए किसान को दी आर्थिक मदद

बरवाला । मशीन से चारा काटते समय घायल हुए गांव सरसौद के किसान कुलदीप भैरों को मार्केट कमेटी बरवाला के चेयरमैन प्रवीण सैनी ने मुख्यमंत्री कृषक खेतिहार मजदूर सुरक्षा योजना के तहत 75 हजार रुपए की आर्थिक सहायता का चेक प्रदान किया। चेयरमैन प्रवीण सैनी ने कहा कि हरियाणा सरकार की मुख्यमंत्री कृषक खेतिहार मजदूर सुरक्षा योजना के तहत कृषि कार्यों या मशीनरी के इस्तेमाल के दौरान दुर्घटना में मृत्यु या दिव्यांगता होने पर किसानों, मजदूरों व मंडी कामगारों को 37500 रुपए से लेकर 5 लाख रुपए तक की आर्थिक सहायता दी जाती है। सरसौद निवासी कुलदीप भैरो जब पशुओं के लिए चारा काट रहा था तो उस समय दुर्भाग्यवश हाथ मशीन में आ जाने से उंगलियों में गंभीर चोटें पहुंची थीं।

मंदबुद्धि महिला अनाथ आश्रम में मनाया समारोह

हिसार। राजकीय मॉडल संस्कृति सीनियर सेकेंडरी स्कूल से शनिवार को एसएचएमआई के पद से सेवानिवृत हुए धर्मराज अपने स्कूल के 30 अध्यापकों के साथ हमारा प्रयास मंदबुद्धि महिला अनाथ आश्रम पहुंचे और अपना सेवानिवृत्ति कार्यक्रम मनाया। इस अवसर पर आश्रम संचालिका मंजू स्याहवा द्वारा आश्रम द्वारा चलाई जा रही समाजसेवी गतिविधियों और यहां आश्रम में महिलाओं की स्थिति के बारे में भी अवगत कराया गया। कार्यक्रम में शिक्षा विभाग से सेवानिवृत्त धर्मराज व राजकुमार चालिया ने हमारा प्रयास आश्रम टीम की सराहना की और कहा कि आश्रम टीम के साथ मिलकर समाजसेवा के इस प्रयास को बढ़ाएंगे। कार्यक्रम में राजकुमार चालिया, रूपेश बामल, दिनेश रेडु, संदीप कुमार, विकाश वर्मा, ममता रानी, सोनिया रानी, सुरेश कुमार सुमन जैन, मंजू रानी आदि थे।

निःशुल्क स्वदेशी चिकित्सा शिविर का किया आयोजन

हिसार । स्वदेशी विचारधारा को बढ़ावा देते हुए स्वदेशी जागरण मंच ने निशुल्क स्वदेशी चिकित्सा शिविर लगाया। शहर के पीएलए स्थित शाश्वत नेचर क्योर एवं हेल्थ सेंटर में लगे इस शिविर में आयुर्वेदिक, होम्योपैथिक, एक्यूप्रेशर, नाड़ी परीक्षण, योग, ध्यान एवं प्राकृतिक चिकित्सा के माध्यम से लोगों की जांच की गई और स्वस्थ रहने के उपाय बताए गए। स्वदेशी चिकित्सा शिविर की प्रमुख सोनू गोयल व आशा कौशिक ने बताया कि नाड़ी चिकित्सक वैद्य कमलजीत, नेचुरोपैथी चिकित्सक डॉ. रिंपल मित्तल व डॉ. राजेश शर्मा, आयुर्वेदिक चिकित्सक डॉ. सुशीला बंसल, योगाचार्य डॉ. मुकेश कुमार, फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. रामनिवास, योगा आचार्य कविता शर्मा व ध्यान चिकित्सक परीक्षित ने निशुल्क सेवाएं प्रदान की।

सर्व समाज मोक्ष धाम ट्रस्ट ने मनाई रविदास जयंती

हिसार। नगर के पंजाबी समुदाय ने 12 क्वार्टर में स्थित सर्व समाज मोक्ष धाम ट्रस्ट को डी फ्रीज भेंट किया व आज ट्रस्ट प्रांगण में आयोजित संत रविदास जयंती बड़े उल्लास के साथ मनाई। इसके अतिरिक्त मोक्ष धाम में पक्षी की साढ़े आठ मंजली मीनार बनवाने का निर्णय लिया गया। यह मोक्ष आश्रम पिछले 2 वर्षों से सुधारीकरण के मामले में दानवीरों के सहयोग से उल्लेखनीय कार्य कर रहा है। इसमें हर प्रकार का सुधारीकरण किया जा रहा है। मोक्ष वाहन, डी फ्रीज, वाटर कूलर, शेड, शव के लिये जाल, पार्क प्लेग्राउंड, सत्संग भवन आदि सभी सुविधाएं ट्रस्ट उपलब्ध करवा रहा है। इस अवसर पर प्रधान बलजीत टॉक, सचिव सत्यकाम आर्य, हरि नारायण, सुरेश अग्रवाल, कुलदीप कांगड़ा, जसवंत पवार, डॉ. रमेश भाटी, गुलशन आदिवाल आदि थे।

डॉ. एसके पाहुजा का योगदान याद रहेगा

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ. सुरेन्द्र कुमार पाहुजा लगभग 36 वर्ष की सेवा पूर्ण करने उपरांत सेवानिवृत्त हो गए। उनके सम्मान में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की ओर से सेवा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज मुख्य अतिथि उपस्थित रहे।

कुलपति प्रो. कम्बोज ने अपने संबोधन में कहा कि विश्वविद्यालय डॉ. एसके पाहुजा की दीर्घकालीन सेवाओं, नेतृत्व क्षमता एवं शैक्षणिक योगदान के लिए सदैव आभारी रहेगा।

हरियाणा और केन्द्र सरकार की नीतियों के खिलाफ ट्रेड यूनियन ने बजाया बिगुल

कच्चे कर्मचारी पक्के करवाने के लिए ट्रेंड यूनियनों ने किया आन्दोलन का आगाज

11 फरवरी को सभी ब्लॉकों में मोटरसाइकिल जत्थे निकालें जाएंगे, 12 को होगी हड़ताल

हरिभूमि न्यूज ⏭हांसी

हरियाणा व केन्द्र सरकार की कर्मचारी, किसान , मजदूर, छात्र विरोधी नीतियों के खिलाफ व उच्च न्यायालय कै फैसले अनुसार कच्चे कर्मचारियों को पक्का करवाने के लिए ट्रेंड यूनियनों की संयुक्त आन्दोलन का आगाज कर दिया है। इसी कड़ी में ट्रेड यूनियनों की कन्वेंशन संयुक्त रूप से सीआईटीयू प्रधान महेंद्र सिंह,एआईयूटीयूसी विजेन्द्र, सर्व कर्मचारी संघ ब्लॉक प्रधान रविंद्र शर्मा, इंटक रोहित की अध्यक्षता में लेबर शेड में संपन्न हुई। मीटिंग का संचालन ब्लॉक वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेश शर्मा द्वारा किया गया।

मीटिंग मे सभी ट्रेंड यूनियनों ने सरकार की नीतियों के खिलाफ 12 फरवरी की हड़ताल की तैयारी के लिए रणनीति बनाई। मीटिंग को सम्बोधित करते हुए सर्व कर्मचारी संघ राज्य कैशियर सुरेंद्र यादव व राज्य प्रधान भवन निर्माण मनोज सोनी, एआईयूटीयूसी उपाध्यक्ष मेहर सिंह बांगड़, इंटक राज्य उपाध्यक्ष कृष्ण नैन ने कहा कि केन्द्र व हरियाणा सरकार कर्मचारी, मजदूर, किसान व आम जनता विरोधी नीतियां बना रही है दूसरी ओर पूंजीपतियों के हक में नीतियों को आगे बढ़ा रही है।

हिसार । लेबर शेड में आयोजित मीटिंग में भाग लेते कर्मचारी

नुक्कड़ सभाओं का होगा आयोजन

केन्द्र सरकार श्रम कानून, पावर बिल, न्यूक्लियर संशोधन बिल, बीज बिल पास करवाना चाहती है। कर्मचारी नेताओं ने कहा कि हड़ताल की तैयारी में 2-10 फरवरी तक सभी जिलों में सामूहिक जत्थे चलाए जाएंगे जो किसानों, मजदूरों, कर्मचारी, मौहल्लों में नुक्कड़ सभाएं आयोजित करेंगे। 11 फरवरी को सभी ब्लॉकों में शहरों में से मोटरसाइकिल जत्थे निकालें जाएंगे। 12 फरवरी की राष्ट्रव्यापी हड़ताल की जाएगी। मीटिंग में देशराज, सुशीला देवी, सीमा देवी, रोहित यादव, कश्मीरी लाल ग्रोवर, चरणदास, विजय जांगड़ा, तुलसीदास वर्मा आदि नेताओं ने भाग लिया।

हिसार। इंडस स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित स्टाफ सदस्य व विद्यार्थी।

इंडस आरपीएस स्कूल में साइबर सुरक्षा को लेकर किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

हिसार के सेक्टर 16-17 स्थित इंडस आरपीएस पब्लिक स्कूल में रविवार को साइबर सुरक्षा एवं साइबर सेफ्टी विषय पर विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर इंजीनियर संदीप कुमार रिसोर्स पर्सन के रूप में उपस्थित रहकर शिक्षकों को साइबर सुरक्षा से संबंधित जानकारी दी।

कार्यक्रम के दौरान इंजीनियर संदीप कुमार ने इंटरनेट के सुरक्षित उपयोग, सोशल मीडिया पर सतर्कता, ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाव तथा साइबर अपराधों के प्रति जागरूक रहने जैसे विषयों पर सरल एवं व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से मार्गदर्शन किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. सुभाष चंद्र राजपूत ने इस अवसर पर कहा कि आज के समय में विद्यार्थियों को शैक्षणिक ज्ञान के साथ-साथ साइबर सुरक्षा की जानकारी देना अत्यंत आवश्यक है।

कार्यक्रम को सराहा

विद्यालय की चेयरपर्सन डॉ. एकता सिंधु ने इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रमों की सराहना करते हुए कहा कि इंडस आरपीएस पब्लिक स्कूल विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए सदैव प्रयासरत है और भविष्य में भी ऐसे उपयोगी कार्यक्रमों का आयोजन करता रहेगा। विद्यालय परिवार ने रिसोर्स पर्सन इंजीनियर संदीप कुमार का आभार व्यक्त किया।

सभी एकजुट होकर महाराजा अग्रसेन के आदर्शों पर चलें

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

पूर्णिमा के अवसर पर अग्रोहा धाम में भव्य भजन समारोह, छप्पन भोग, भंडारा व समाज के प्रतिनिधियों की बैठक का आयोजन किया गया। अग्रोहा धाम वैश्य समाज के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष व हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष बजरंग गर्ग ने बैठक की अध्यक्षता की। बजरंग गर्ग ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि महाराजा अग्रसेन जी ने अपने राज्य में पशु हत्या का पूरी तरह रोक लगाई थी। महाराजा अग्रसेन जी यज्ञ कर रहे थे उन्होंने यज्ञ को बीच में ही रोक कर कहा कि भविष्य में उनके राज्य में कोई भी व्यक्ति पशु की हत्या नहीं करेगा, ना ही पशु मारेगा, ना ही उसका मांस खाएगा। इतना ही नहीं राज्य में हर व्यक्ति प्राणी मात्र की रक्षा करेगा। उन्होंने कहा कि महाराजा अग्रसेन जी ने समाजवाद को बढ़ावा देते हुए हर व्यक्ति को ऊंचा उठाने का काम किया। हम सबको एकजुट होकर महाराजा अग्रसेन जी के आदर्शों पर चलकर देश के निर्माण व तरक्की में अपना योगदान देना चाहिए। बजरंग गर्ग ने आए हुए अतिथियों को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर रीता गुप्ता, दिवाकर गुप्ता दिल्ली, प्रेम माहेश्वरी राजस्थान, राजीव गुप्ता मेरठ, श्याम लाल गोयल जोधपुर, महेश अग्रवाल मथुरा, हंसराज गर्ग पंजाब, रामलाल अग्रवाल चंडीगढ़, आनंद गोयल, अनंत अग्रवाल, निरंजन गोयल, ईश्वर गोयल, पवन गर्ग, सीए आशीष सिंगल, संदीप कुमार, सीताराम सिंगला आदि प्रतिनिधियों ने भारी संख्या में भाग लिया।

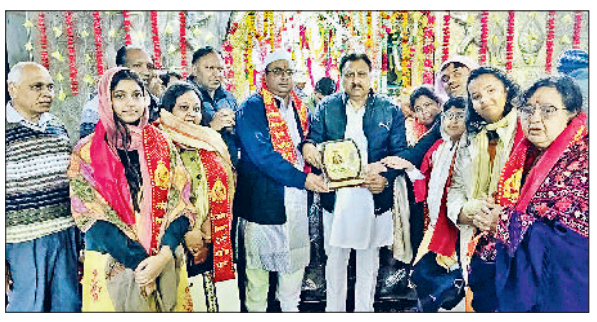

हिसार। अतिथियों को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित करते बजरंग दास गर्ग।

खो-खो प्रतियोगिता में दिखाया दमखम

बरवाला । सामाजिक संगठन मूक नायक संघ के तत्वावधान में संत शिरोमणि गुरु रविदास के 649 वे जन्मोत्सव पर राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नहर कोठी बरवाला के खेल मैदान में खो खो प्रतियोगिता का आयोजन करवाया गया। संघ प्रमुख सुनील भारतीय ने बताया कि इस प्रतियोगिता में कुल 8 टीमों सरहेडा, प्रभुवाला, रविदास नगर, ढाणी गारण, वार्ड नं 8 बरवाला, वार्ड 7 बरवाला और वार्ड नं 10 भैणी बादशाहपुर आदि गांवों की टीमों ने बढ़ चढ़कर भाग लेकर अपना दमखम व जौहर दिखाया।

इस प्रतियोगिता में लड़कों में भीम शाखा टीम 1 ने प्रथम स्थान प्राप्त करके बाजी मारी और भीम शाखा टीम 2 द्वितीय स्थान पर रही तथा तृतीय स्थान गुरु रविदास नगर की टीम ने प्राप्त किया। लड़कियों की टीम में प्रथम स्थान सरहेडा गाव की टीम ने प्राप्त किया और द्वितीय स्थान प्रभुवाला गांव की टीम ने प्राप्त किया। संघ द्वारा प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली टीम को नकद राशि पांच हजार रुपये, ट्राफी व मेडल देकर और द्वितीय स्थान प्राप्त टीम को 2500 रुपये ट्राफी व मेडल तथा तृतीय स्थान प्राप्त टीम को 1100 रुपये ट्राफी व मैडल देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मुख्य रूप से मां राजकुमार चैनत, प्रिंसिपल बिल्लू राम बहबलपुर, प्रवक्ता राजकुमार बाडो पट्टी, संघ प्रमुख सुनील भारतीय, पार्षद प्रतिनिधि कालू राम, डॉ सोहन लाल खेदड, मास्टर कृष्ण कुमार रोहलन समेत संघ के सभी पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित रहे।

एचएयू के स्थापना दिवस पर कार्यक्रम आज

हिसार । हिसार स्थित हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय 2 फरवरी को अपना स्थापना दिवस धूमधाम से मनाएगा। विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सभागार में कार्यक्रम होगा, जिसमें कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज मुख्य अतिथि होंगे। विभिन्न परियोजनाओं का होगा उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. पवन कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस पर अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिसका आगाज़ पूर्व प्रधानमंत्री स्व.चौधरी चरण सिंह, पूर्व उप प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी देवी लाल व प्रदेश के पूर्व उप मुख्यमंत्री डॉ. मंगल सेन की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण से होगा। इसके पश्चात आईजी ऑडिटोरियम के सामने हवन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इसके बाद कुलपति नेहरू पुस्तकालय में लगाई गई पुस्तक प्रदर्शनी, गिरि सेंटर स्थित क्रिकेट पवेलियन व फैकल्टी हाऊस के कन्वेंशन हॉल का उद्घाटन करेंगे।

सुनैना नागपाल अध्यक्ष व अंजलि भाटिया दूसरी बार बनी शाखा सचिव

■ अखिल भारतीय सेवा संघ की महिला शाखा का चुनाव

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

अखिल भारतीय सेवा संघ हिसार की महिला शाखा की वार्षिक बैठक मॉडल टाउन में आयोजित की गई। इसमे वर्ष 2026-27 के लिए शाखा की नई कार्यकारिणी का गठन किया। बैठक की अध्यक्षता अखिल भारतीय सेवा संघ के प्रांतीय अध्यक्ष राजेंद्र सपड़ा ने की तथा चुनाव पर्यवेक्षक के तौर विनोद गोयल एवं संजीव राजपाल उपस्थित रहे।

अखिल भारतीय सेवा संघ के राष्ट्रीय महासचिव विनोद धवन मुख्य वक्ता के तौर पर उपस्थित रहे, जिन्होंने संगठन के सेवा प्रकल्पों एवं संगठन को मजबूती के साथ आगे बढ़ाने के बारे में विस्तार से बताया। बैठक का संचालन शाखा सचिव अंजलि भाटिया ने किया। निवर्तमान अध्यक्ष सुरुचि असीजा ने शाखा द्वारा 2025-26 के दौरान किये गए कार्यों की रिपोर्ट प्रस्तुत की तथा निवर्तमान कोषाध्यक्ष सुनैना नागपाल ने वार्षिक लेखा जोखा प्रस्तुत किया। इसके पश्चात नई कार्यकारिणी का सर्वसम्मति से चुनाव किया गया जिसमें सुनैना नागपाल को अध्यक्ष, अंजली भाटिया को दोबारा से सचिव एवं स्वाति ढींगरा को कोषाध्यक्ष चुना गया। सुरुचि असीजा को प्रांतीय महिला प्रमुख की जिम्मेदारी दी गई। इस मौके पर महिला सेवा डायमंड सुधाकांत, हितु भाटिया, सुलोचना सेतिया, वीना भंडारी, कंचन, शिम्पी, डॉ. पल्लवी, कमलेश ग्रोवर, नीता बिल्ला, वर्षा जैन, शशि अदीब, प्रीति भाटिया, बिंदिया गर्ग, सोनम, उर्मिल, गगनदीप, सुष्मिता कुंडू, स्नेहलता चौधरी आदि थे।

हिसार : अखिल भारतीय सेवा संघ की हिसार महिला शाखा के नवनिर्वाचित पदाधिकारी संघ के सदस्यों के साथ।

स्वांग का जोरबा थियेटर में भव्य मंचन

हिसार । हरियाणा की लोक सांस्कृतिक विरासत को जीवंत करता स्वांग 'बम लहरी' का सफल और भव्य मंचन रविवार को जोरबा थिएटर में किया गया। कार्यक्रम में लोक कला प्रेमियों में विशेष उत्साह देखने को मिला। ये स्वांग कथा शैली में प्रस्तुत की गई जिसमें भगवान शंकर और पार्वती के विवाह के माध्यम से तप त्याग और प्रेम का संदेश दिया गया, जिस प्रकार से शिव परिवार मे शेर बैल, मोर, चूहा एकसाथ रहते हैं उसी प्रकार समाज में भी प्रेम और सौहार्द स्थापित हो।

इस स्वांग का निर्देशन एवं प्रमुख अभिनय डॉ. विभोर भारद्वाज द्वारा किया गया, जिन्होंने अभिनय के साथ इस विधा की शिक्षा अपने गुरु डॉ. सतीश जॉर्ज कश्यप से ली है जिनकी प्रस्तुति को दर्शकों ने खूब सराहा।

सच्चा प्रेम इंसान को अहंकार से ओंकार की ओर लेकर जाता है : स्वामी संजय

■ ओशो ध्यान उपवन में ध्यान और प्रेम के रंग अनेक विषय पर लगाया ध्यान सत्र

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

ध्यान और प्रेम के रंग अनेक विषय पर ध्यान सत्र का आयोजन किया गया। सिरसा रोड स्थित ओशो ध्यान उपवन में आयोजित किए गए इस सत्र में विभिन्न क्षेत्रों से साधकों ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर ध्यान सत्र के आयोजक स्वामी संजय व मां सांची ने ध्यान के साथ जुडक़र प्रेम के विविध रंगों की जानकारी साझा की। उन्होंने ध्यान विधियों का अभ्यास भी करवाया।

ध्यान सत्र के दौरान स्वामी संजय ने कहा कि प्रेम के अनेक रंग हैं। पिता अपने पुत्र को प्रेम करता है और पुत्र अपने पिता को। इसी भांति पति अपनी पत्नी को और पत्नी अपने पति को प्रेम करती है। दोस्त अपने दोस्त को प्रेम करता है। इसके बावजूद सच्चे प्रेम का अभाव दिखाई देता है। दरअसल सच्चा प्रेम दूसरे को बांधता नहीं बल्कि उसे उड़ान के लिए आकाश और स्वतंत्रता देता है। देखा जाए तो साधक को सांसारिक प्रेम को परमात्मा के प्रेम में रुपांतरित करने की आवश्यकता है। वैसे भी परमात्मा से बढक़र किसी से प्रेम नहीं किया जा सकता। दरअसल सच्चा प्रेम इंसान को अहंकार से ओंकार की ओर लेकर जाता है।

स्वामी संजय ने बताया कि सतगुरु ओशो ने ध्यान व प्रेम को सिक्के के दो पहलू बताया है।

हिसार। ओशो ध्यान उपवन में आयोजित ध्यान सत्र में हिस्सा लेते साधक।

संत रविदास सर्व समाज के लिए पूजनीय : गंगवा

हिसार । डॉ. भीमराव अम्बेडकर युवा संगठन, लाडवा की ओर से गांव की डॉ. भीमराव अम्बेडकर चौपाल में संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज का जन्मोत्सव समारोह आयोजित किया गया। समारोह में कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा के पुत्र युवा भाजपा नेता संजीव गंगवा मुख्य अतिथि रहे।

संजीव गंगवा ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज सर्वसमाज के लिए पूजनीय हैं। समता, करुणा और आपसी सद्भाव का संदेश देने वाले उनके विचार समाज के पिछड़े, शोषित और वंचित वर्गों के उत्थान हेतु सदैव प्रेरणा व मार्गदर्शन प्रदान करते रहेंगे।

डॉ. भीमराव अम्बेडकर युवा संगठन प्रधान रोहताश सिंह ने बताया कि समारोह में सत्संग व भंडारे का भी आयोजन किया गया।

स्टेट चैंपियनशिप के लिए जिला सीनियर रग्बी टीम का चयन

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

हिसार रग्बी एसोसिएशन द्वारा निकटवर्ती गांव किनाला में एक दिवसीय जिला स्तरीय सीनियर रग्बी चैंपियनशिप का आयोजन किया गया। इसमें जिला भर से आए खिलाड़ियों ने भाग लिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में मास्टर सज्जन मौजूद रहे। हिसार रग्बी एसोसिएशन के मीडिया प्रभारी प्रदीप ने बताया कि इसमें जिले भर से लड़के और लड़कियों ने भाग लिया। राज्य प्रतियोगिता के लिए हिसार जिले की टीम का सिलेक्शन किया गया और अब चयनित खिलाड़ी 7 फरवरी को होने वाली राज्य स्तरीय रग्बी चैंपियनशिप में भाग लेंगे। हरियाणा राज्य रग्बी चैम्पियनशिप का आयोजन कैथल में किया जाएगा। संदीप कुंडू किनाला को टीम का मैनेजर और काजल को कोच नियुक्त किया गया है। उन्होंने बताया कि जिला सीनियर रग्बी लड़कों की टीम में रवीन कैप्टन, नीतिन वाइस कैप्टन, निकशय, विकास, अंकित, अमित, रोहित, सुमित, अंशुल, दिनेश, अतुल और मयंक को शामिल किया गया है। लड़कियां की टीम में कप्तान मीना (मोनखिर), उप कप्तान निशु, निर्मल, कुसुम, अमरजीत, पूनम, शिवम, ज्योति, श्रुति, विनीता, मुस्कान और सोनिया का टीम में चयन हुआ है। मौके पर त्रिलोक शर्मा, अमरजीत घिराय, अमित मलिक, सुनील कुमार, संदीप किनाला, सौरभ घिराय, मिर्ची पूनिया, राजू आदि मौजूद रहे। चयनित खिलाड़ियों को हिसार रग्बी एसो के चेयरमैन मास्टर बिजेंद्र पंघालिया, अध्यक्ष प्रवीण उड़ान, उपाध्यक्ष सुनील गुराना, वरिष्ठ सह सचिव मनिक जागलान, कोषाध्यक्ष नीरज वर्मा ने शुभकामनाएं दीं।

हिसार। प्रतियोगिता में भाग लेते खिलाड़ी।

हांसी। मुख्य यजमान को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित करते मंदिर पुजारी पंडित पुरुषोत्तम जोशी व अन्य।

सत्यनारायण कथा श्रवण से घर में आती सुख-शांति व आर्थिक समृद्धि : जोशी

हरिभूमि न्यूज ⏭हांसी

चौपटा बाजार स्थित विष्णु भगवान मन्दिर ट्रस्ट की ओर से पूर्णिमा के पावन अवसर पर श्री सत्यनारायण भगवान की कथा एवं भंडारे का आयोजन मन्दिर प्रांगण में किया गया। कथा में समाजसेवी सुरेन्द्र गोयल अपनी पत्नी कमलेश गोयल सहित मुख्य यजमान के रूप में उपस्थित रहे वहीं गिरधारी लाल गोयल, कमलेश गर्ग व एडवोकेट सुरेंद्र राजपाल, विशेष रूप से उपस्थित रहे। श्री विष्णु भगवान मन्दिर के पुजारी एवं कथा वाचक पंडित पुरुषोत्तम जोशी ने पूजन कर श्री सत्यनारायण भगवान की कथा करते हुए कहा कि इस दिन सत्यनारायण कथा और चंद्र देव को अर्घ्य देने से घर में सुख-शांति और आर्थिक समृद्धि आती है। पौराणिक कथाओं के अनुसार इस दिन किया गया दान और पूजा अश्वमेध यज्ञ के समान पुण्य प्रदान करती है।

हिसार : चेयरमैन श्रवण कुमार गर्ग दौरे के दौरान गोशाला का जायजा लेते हुए।

गोशालाओं के सशक्तिकरण के लिए उठाए जा रहे ठोस कदम : चेयरमैन श्रवण कुमार गर्ग

हिसार । हरियाणा गो सेवा आयोग के चेयरमैन श्रवण कुमार गर्ग ने रविवार को गांव बनमौरी स्थित जय माता ग्रामरी गोशाला तथा गांव मैणी बादशाहपुर स्थित श्री तुलसी गोशाला का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने गोशालाओं की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया और गोशाला प्रबंधन व प्रधानों के साथ गौ-सेवा से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श किया।

चेयरमैन श्रवण कुमार गर्ग ने कहा कि वर्तमान सरकार में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में तथा पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल के कार्यकाल में भी गो-सेवा और किसान हित को हमेशा प्राथमिकता दी गई है। सरकार ने गोशालाओं को सशक्त बनाने के लिए कई जन-कल्याणकारी योजनाएं लागू की हैं, ताकि गो-सेवा में किसी प्रकार की कमी न रहे। उन्होंने कहा कि जी राम जी योजना को गोशालाओं से जोड़ा गया है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में गौ-सेवा को और मजबूती मिली है। पहले जहां समाज ही मुख्य रूप से गौशालाओं के संचालन में योगदान देता था, वहीं अब सरकार भी गो-सेवा के विकास में सक्रिय भूमिका निभा रही है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 7988727916, 9315429403, 9253681005